दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 234 | ग्वालियर, बुधवार, 14 जून 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके करीब 10 सेकेंड तक हिली धरती

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत चंडीगढ़ और कश्मीर में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. करीब 10 सेकेंड तक धरती हिलती रह गई. दिल्ली एनसीआर में करीब 1-35 पर आए भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गई है. लोग घबराकर दफ्तरों और घरों से बाहर निकल गए. हालांकि, अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है. इसके अलावा पाकिस्तान के लाहौर, इस्लामाबद में भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र जम्मू-कश्मीर का डोडा क्षेत्र था. यहां पर 5. 7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप भूकंप का केंद्र डोडा में जमीन की के 6 किलोमीटर नीचे था. भूकंप का केंद्र कारगिल से 158 किलोमीटर, हिमाचल प्रदेश स्थित मनाली से 163 किलोमीटर दूर है. राहत की बात रही तेज भूकंप के झटके से किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ. इससे पहले मंगलवार की सुबह चीन और म्यांमार में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए. चीन में करीब 5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए. इससे पहले चीन और म्यांमार में 22 मई को भी धरती हिली थी.

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास संयुक्त सुरक्षा अभियान के दौरान मंगलवार को दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस और सेना द्वारा दोबनार मच्छल इलाके में अभियान चलाया गया और फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षाबलों को इलाके में आतंकियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता इनपुट मिला था। इसके बाद सुरक्षाबलों इलाके की घेराबंदी की, तभी वहां छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने कार्रवाई करते हुए दो आतंकियों को ढेर कर दिया।

श्रीलंका में 2023 के पहले 4 महीनों में रोड एक्सीडेंट में 700 से अधिक लोग मारे गए

कोलंबो। श्रीलंका में इस साल के पहले चार महीनों के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में 700 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस प्रवक्ता निहाल थल्दुवा ने मीडिया को बताया कि दी गई अवधि के दौरान कुल 8,202 दुर्घटनाएं हुईं। आगे कहा कि इन घटनाओं में से 2,799 में मोटरबाइक शामिल हैं, जबकि अन्य 1,399 में तिपहिया वाहन शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा कि मरने वालों में 220 बाइक सवार, 102 यात्री और 179 पैदल यात्री थे। पुलिस के अनुसार, श्रीलंका में 2022 में करीब 19,740 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 2,485 लोग मारे गए।

दिल्ली हवाई अड्डे पर टेल टकराने के बाद इंडिगो का विमान ग्राउंडेड

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर टेल (विमान का बिल्कुल पिछला हिस्सा) टकराने की घटना के बाद इंडिगो का एक विमान ग्राउंडेड हो गया है। डीजीसीए ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि जब यह घटना हुई वीटी-आईएमजी पंजीकरण वाला ए321-252एनएक्स (नियो) विमान रविवार को कोलकाता से दिल्ली आ रहा था। डीजीसीए के बयान से पता चला कि उड़ान दिल्ली में उतरने के एप्रोच तक बिना किसी समस्या के आई। हालांकि, रनवे 27 पर एप्रोच के दौरान चालक दल ने ज्यादा फ्लोटिंग पीरियड के कारण एक गो-अराउंड लेने का निर्णय किया। दुर्भाग्य से गो-अराउंड के दौरान, विमान के पिछले हिस्से के नीचे का भाग रनवे के संपर्क में आ गया, जिससे क्षति हुई। नतीजतन, ऑपरेटिंग चालक दल को जांच की लंबित ड्यूटी से हटा दिया गया है। डीजीसीए के बयान में कहा गया है, गो-अराउंड के दौरान, संभवतः विमान के पिछले हिस्से का निचला भाग रनवे की सतह को छू गया और क्षतिग्रस्त हो गया। ऑपरेटिंग क्रू को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया गया है। विमानन नियामक ने कहा कि टेल स्ट्राइक की सटीक परिस्थितियों का निर्धारण करने के लिए इस घटना की जांच की जा रही है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर रासायनिक टैंकर में आग लगने से 4 की मौत, 3 घायल

पुणे। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को एक रासायनिक टैंकर पलट गया और उसमें आग लग गई। इस हादसे में कम से कम तीन चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा लोनावाला के पास खंडाला घाट सेक्शन में एक पुल पर हुआ। जिस कारण एक्सप्रेसवे के मुंबई जाने वाले हिस्से पर बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम हो गया। सैकड़ों लीटर अज्ञात रसायन रोड पर रिस रहा था, जिससे वाहनों के फिसलने और अधिक दुर्घटनाओं का खतरा पैदा हो गया था। हवा में कम से कम 15-16 मीटर तक आग की लपटों के साथ टैंकर को दूर से जलता हुआ देखा जा सकता था। कुछ जलते हुए रसायन कुनेगांव गांव के पास पुल के नीचे सड़क पर गिरे और नीचे ट्रैफिक को रोक दिया। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा कहा जा रहा है कि एक तेज रफ्तरार बाइक सवार रसायनों पर फिसल गई। जिसमें एक व्यक्ति और एक नाबालिग लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इस हादसे में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, और तीन घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इसके बाद क्रेन की मदद से टैंकर को रोड पर से हटाया गया। टैंकर में आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। लेकिन इस हादसे के कारण रोड पर 7 से 8 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम हो गया, जिससे फायर ब्रिगेड और अन्य बचाव वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई।

राजमार्ग अधिकारियों ने आने वाले ट्रैफिक को लोनावाला बाईपास से मुंबई की ओर मोड़ दिया है, हालांकि पुणे की ओर जाने वाले ट्रैफिक को धीरे-धीरे आगे बढ़ने दिया गया।

मुंबई एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा, टैंकर पलटने से लगी आग, चार की मौत

नई दिल्ली। महाराष्ट्र से बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर मंगलवार को भीषण हादसे से हर तरफ हड़कंप मच गया है. सड़क दुर्घटना का ऐसा नजारा शायद ही लोगों ने पहले देखा होगा. एक्सप्रेस वे पर उस वक्त हर किसी की नजर ठहर गई जब दूर से ही धूं-धूं कर आग की लपटें दिखाई देने लगीं. यही नहीं इस आग से निकला धुआं भी लोगों को डराने के लिए काफी था. मिली जानकारी के मुताबिक एक तेल टैंकर के पलटने के बाद उसने आग पकड़ ली और इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया. बताया जा रहा है कि इस हादसे कम से कम चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है. जबकि इस हादसे में तीन लोग घायल भी बताए जा रहे हैं. इस हादसे के बाद पुणे ग्रामीण पुलिस का बयान भी सामने आया है. पुलिस के मुताबिक एक्सप्रेस वे पर फिलहाल एक हिस्से से ही ट्रैफिक की आवाजाही की जा रही है, कुछ काम होने की वजह से दूसरा साइड बंद है. ऐसे में ट्रैफिक में बाधा की वजह से तेल टैंकर अपना संतुलन खो बैठा और पलट गया. इसके तुरंत बाद ही टैंकर ने आग भी पकड़ ली. जब तक लोग संभलते या समझ पाते तब तक इस आग की चपेट में चार लोग आ गए जिनकी मौत हो गई. वहीं इस हादसे में तीन लोग घायल हैं जिनका इलाज नजदीका अस्पताल में किया जा रहा है.

सीबीआई कोर्ट ने खनन कारोबारी जर्नादन रेड्डी की संपत्तियों को जब्त करने का दिया आदेश

बेंगलुरू। खनन कारोबारी से राजनेता बने जर्नादन रेड्डी को झटका देते हुए सीबीआई की एक अदालत ने मंगलवार को उनकी और उनकी पत्नी अरुणा लक्ष्मी की संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया, जब तक कि उनके खिलाफ आपराधिक मामलों का निपटारा नहीं हो जाता। सीबीआई ने दंपति की 124 संपत्तियों को जब्त करने की मांग को लेकर अदालत में याचिका दायर की। हालांकि, अदालत ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम के तहत केवल 77 संपत्तियों को जब्त करने की अनुमति दी। कर्नाटक में पूर्व भाजपा सरकार ने कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद 12 जनवरी को संपत्तियों की जब्ती के लिए सहमति दी थी। सीबीआई ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में जर्नादन रेड्डी से जुड़ी संपत्तियों को जब्त करने की अनुमति मांगी थी। राज्य सरकार ने अनुमति नहीं दी तो सीबीआई ने याचिका दाखिल की थी। जर्नादन रेड्डी ने कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले एक नई राजनीतिक पार्टी बनाई थी। उन्होंने गंगावती से जीत हासिल की और उनकी पत्नी अरुणा ने बल्लारी सिटी सीट पर भाजपा को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। उनकी पार्टी ने हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र में भाजपा को नुकसान पहुंचाया। अभियान के दौरान, रेड्डी ने दावा किया कि वह अपनी संपत्तियों की जब्ती और आईटी छापे के बारे में ज्यादा परेशान नहीं होंगे। उन्होंने आगे कहा था कि उनकी गिरफ्तारी के समय 1,200 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी, लेकिन वह उच्च न्यायालय में केस जीतने में कामयाब रहे। जर्नादन रेड्डी ने यह भी कहा कि उनकी संपत्ति 1,200 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,000 करोड़ रुपये हो गई है।

जम्मू-कश्मीर में दो सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में मंगलवार को दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने कहा कि एक व्यक्ति को शामपोरा चौराहे पर एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। व्यक्ति की पहचान राजस्थान के कुमार सावंत सिंह के रूप में हुई। एक सूत्र ने डॉक्टरों के हवाले से कहा कि हादसे के तुरंत बाद सिंह को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। एक अन्य घटना में, दो व्यक्ति एक खड़े ट्रक के पीछे आराम कर रहे थे। तभी कुछ समय बाद ट्रक वहां से चल पड़ा, जिसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया।

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के खतरे के बीच द्वारकाधीश मंदिर में फहराए गए दो ध्वज

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय विकराल रूप लेता जा रहा है. यही वजह है कि देश के 6 राज्यों में अलर्ट जारी कर दिया गया है. खास तौर पर गुजरात इस तूफान की जद में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है. हालांकि महाराष्ट्र और गोवा के तटीय इलाकों में भी बड़ी खतरा मंडरा रहा है. खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस तूफान की हर हलचल पर नजर बनाए हुए हैं. इसको लेकर उन्होंने एक हाई लेवल मीटिंग भी की थी, इस बैठक में उचित व्यवस्था और प्रबंधन को लेकर दिशा निर्देश जारी किए गए थे. इस बीच गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर से बड़ी खबर सामने आई है.

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के खतरे के बीच द्वारकाधीश मंदिर में एक साथ दो ध्वज फहराए गए हैं. लोग इसे किसी अनहोनि से बचाव के तौर पर देख रहे हैं. लोगों की आस्था है कि द्वारकाधीश भगवान इस खतरे से लोगों की रक्षा करेंगे. हालांकि मंदिर में दो ध्वज फहराए जाने को लेकर पुजारी ने जो वजह बताई है उसके मुताबिक, मंदिर के शिखर पर दो ध्वज इसलिए फहराए गए हैं क्योंकि ध्वज स्तंभ पर ध्वजारोहण नहीं हो पा रहा है. इसका कारण तूफान ही है. ऐसे में पुरानी ध्वजाजी को नीचे जबकि नई ध्वजा जी को भी लग सकता है क्योंकि यहां पर ध्वज फहराने वाले भक्तों की तादात बहुत ज्यादा है. कभी-कभी तो वेटिंग टाइम 2 साल भी हो जाता है. भक्तों की आस्था है कि ये ध्वज

ऊपर की ओर फहराया गया है. बता दें कि द्वारकाधीश मंदिर में शिखर चोटी 50 मीटर ऊंची है. यहां पर 52 गज का ध्वज 24 गंटे फहराता रहता है. एक दिन में यहां पर दो बार ध्वज बदले जाते हैं. इतना नहीं किसी को मंदिर में ध्वज फहराना होतो उन्हें 12 महीने से ज्यादा वक्त पूरे शहर की रक्षा करता है. मिली जानकारी के मुताबिक द्वारका से चक्रवाती तूफान बिपरजॉय की दूरी महज 280 किलोमीटर बची है. यानी आने वाले 24 घंटे के आस-पास ये तूफान द्वारका को टक्कर दे सकता है. हालांकि आईएमडी 15 जून को इसका लैंडफॉल बताया है.

बंगाल पंचायत चुनाव : भांगर में तृणमूल-एआईएसएफ के कार्यकर्ता भिड़े

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में आगामी पंचायत चुनाव के लिए नामांकन को लेकर मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस और ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट (एआईएसएफ) के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प के बाद भांगर युद्ध के मैदान में तब्दील हो गया। ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिस के सामने दोनों पार्टियों के प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने पहुंचे, इसी दौरान उनके बीच मारपीट शुरू हो गई। मिनटों के भीतर यह क्षेत्र एक युद्ध के मैदान में बदल गया। पहले दोनों तरफ से भारी पथराव हुआ और इसके बाद भारी बमबारी हुई। मंगलवार को नामांकन का चौथा दिन है। पिछले तीन दिनों की तरह इस बार भी राज्य के अलग-अलग इलाकों से हिंसा की खबरें आई हैं, जिसमें भांगर सबसे गंभीर क्षेत्र है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब मौके पर पुलिस दल पहुंचा तो, दोनों पक्षों के समर्थकों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया और देशी बम भी फेंके। हमले में कुछ सुरक्षाकर्मियों के घायल होने के कारण पुलिस बलों को शुरू में पीछे हटना पड़ा। हालांकि, पुलिस ने जल्द ही जवाबी कार्रवाई की और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। तृणमूल कांग्रेस और एआईएसएफ दोनों के नेतृत्व ने घटना को लेकर अलग-अलग आरोप लगाए हैं। एक ओर, एआईएसएफ नेतृत्व ने दावा किया है कि झड़पें तब हुईं जब सत्तारूढ़ पार्टी ने उनके उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से रोकने की कोशिश की। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने एआईएसएफ कार्यकर्ताओं पर सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवारों पर अकारण हमले करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले के संबंध में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट लिखे जाने तक भांगर में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई थी और छिटपुट झड़पों की खबरें आ रही थीं।

रूस ने जताई पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा

मास्को। रूस ने पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने और मजबूत करने की इच्छा जताई है। इस बीच रूस से कच्चे तेल की पहली खेप गत सप्ताहांत पर कराची बंदरगाह पहुंच गई। मीडिया ने यह जानकारी दी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, मास्को और इस्लामाबाद के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक वीडियो बयान जारी कर दक्षिण एशियाई राष्ट्र के साथ सहयोग बढ़ाने की अपने देश की इच्छा व्यक्त की। पाकिस्तान और रूस शीत युद्ध के धुर प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन हाल के वर्षों में उनके द्विपक्षीय संबंधों ने सकारात्मक मोड़ लिया है। दोनों पक्ष अतीत को पीछे छोड़कर नई वास्तविकताओं को समायोजित करने के इच्छुक हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि अप्रैल में दोनों देशों ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने पाकिस्तान को सप्ताहांत में पहला रूसी तेल शिपमेंट प्राप्त करने की अनुमति दी। रूसी तेल पाकिस्तान के लिए फायदेमंद हो सकता है या नहीं, इसका आकलन करने के लिए पहली खेप पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। बताया गया है कि पहली खेप को रियायती दर पर आयात किया गया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने दी राहत, बोले- तूफान को लेकर तैयार हम

***नई दिल्ली।** गुजरात समेत देश के 6 राज्यों में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का खतरा मंडरा रहा है. इस बीच गृहमंत्री अमित शाह ने प्रेस वार्ता के जरिए बड़ी राहत दी है. गृहमंत्री ने कहा है कि केंद्र और राज्य पूरी तरह इस तूफान से निपटने के लिए तैयार हैं. किसी भी तरह की आपदा से निपटने के लिए लेकर टीमें तैनात कर दी गई हैं. उन्होंने बताया कि देश में आपदा सूचना प्रणाली पोर्टल, 112 सपोर्ट सिस्टम, 241 विश्वविद्यालयों में आपदा से निपटने के लिए तैयार कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि, आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बीते 9 वर्षों में केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकारों ने भी बेहतरीन काम किया है. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बीते 9 वर्षों में इस क्षेत्र में मिलकर केंद्र और राज्य सरकार ने काफी उपलब्धियां हासिल की है. लेकिन संतुष्ट होकर बैठा नहीं जा सकता है. क्योंकि आपदाओं ने स्वरूप और तरीका बदला है. ऐसे में हमें भी अपने काम का तरीका बदलना होगा. उन्होंने कहा कि हमारे यहां डिजास्टर को लेकर जितनी भी तैयारी करना है उसको लेकर पहले से ही विचार विमर्श शुरू कर दिया जाता है. इसके अच्छे नतीजे भी हमें मिले हैं.*

अमित शाह ने कहा कि डिजास्टर मैनेजमेंट नई कल्पना नहीं है चाणक्य के अर्थशास्त्र से लेकर पौराणिक काल में जितने भी दस्तावेज मौजूद है हर जगह आपदा प्रबंधन की बात की है. लेकिन 2004 के बाद इस क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सामूहिक जवाबदेही का काम किया गया है. भारत सरकार ने फायरब्रिगेड सेवाओं के विस्तार के लिए 5000 करोड़ रुपए का बजट पास किया है. शहरी बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए सर्वाधिक जनसंख्या वाले 7 महानगर, मुंबूई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलूरु, हैदारबाद, अहमदाबाद और पुणे इसके लिए 2500 करोड़ रुपए का फंड तय किया गया है. भूस्खलन से बचाव के लिए 17 राज्यों के लिए 825 करोड़ रुपए केंद्र सरकार की ओर से भेजा जाएगा. थंडरस्ट्रॉम और लाइटनिंग के लिए केंद्र ने राज्यों से कार्य योजनाएं मांगी गई हैं, लेकिन 25 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से जानकारी नहीं आई है. शाह ने इन राज्यों से भी आह्वान किया है कि समय रहते अपने कार्य योजनाएं केंद्र को भेजें और केंद्र की ओर से दी जा रही सुविधाओं को समय रहते लागू कर दें.

पिछोर में मतदान केंद्रों को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक संपन्न

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी पिछोर। भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार शिवपुरी जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी के निर्देशन में पिछोर अनुविभागीय एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा पिछोर अरविन्द शाह द्वारा मतदान केंद्रों की युक्तिकरण के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की एक बैठक आज 13 जून सुबह 10:30 पर नवीन एसडीएम कार्यालय पिछोर में आयोजित की गई। बैठक के दौरान पिछोर तहसीलदार शिवशंकर सिंह गुर्जर सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सहित पिछोर भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल राहोरा,कॉन्ग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णकांत छिरोलिया, खनियाधाना भाजपा मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण भारदेलिया, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सलीम खान, डीएस चौहान आम आदमी पार्टी ,महेश जाटव अध्यक्ष बसपा, जितेंद्र जाटव महामंत्री बहुजन समाज पार्टी ,श्री राम कृष्ण पाराशर वरिष्ठ नेता भाजपा, मुकेश पंसारी भाजपा मंडलमहामंत्री पिछोर सहित अन्य राजनीतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एसडीएम शाह ने बैठक के दौरान द्वितीय संक्षिप्त विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 31 अगस्त तक मतदाता सूची में नाम जोड़े जाएंगे,

निर्वाचक नामावली के प्रकाशन उपरांत 31 अगस्त तक दावे आपत्तियां आयोजित की जाएंगी, तथा नाम जोड़ने एक विशेष कैंप लगाए जाएंगे यह कैंप 12 एवं 13 अगस्त तथा 19 एवं 20 अगस्त को आयोजित होंगे दावे आपत्तियों का निराकरण 22 सितंबर को किया जाएगा। तथा निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 4 अक्टूबर को होगा। एसडीएम द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि 18 वर्ष की आयु के युवाओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने हेतु बीएलओ का सहयोग करें उन्होंने बताया कि 1 अक्टूबर 2023 की अर्हता के आधार पर मतदाता सूची तैयार की जा रही है ।उक्त दिनांक को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वालों के नाम मतदाता सूची में जुड़ जाएंगे । साथ ही मतदान केंद्रों के युक्तिउक्तकरण के संबंध में प्रस्तुतीकरण करते हुऐ बताया की विधानसभा पिछोर 26 में 76 मतदान केंद्रों को नवीन संशोधन किया है।इसके साथ ही सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार शिव शंकर गुर्जर द्वारा बताया कि आयोग के निर्देशानुसार ऐसे मतदान केंद्र जो 2 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है। तथा एक मतदान केंद्र पर 1450 से अधिक मतदाता हों तो नए मतदान केंद्र गठन तथा अन्य मतदान केंद्र से में शिफ्टिंग का प्रस्ताव आयोग को भेजा जा सकता है। इसके अलावा क्षतिग्रस्त भवन मतदाताओं की सुविधा अनुसार मतदान केंद्रों में परिवर्तन एवं संशोधन के प्राप्त प्रस्ताव की बैठक में समीक्षा की गई तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए गए।

किसान कल्याण महाकुंभ

शिवपुरी जिले के किसानो के खातों में पहुँचे 15 करोड़ रूपए 42 हजार किसानों को मिल रहा है ब्याज माफी का लाभ

किसान कल्याण महाकुंभ से सिंगल क्लिक के जरिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पहुँचाई धनराशि

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी, जिले के किसानों के खातों में मंगलवार को लगभग 15 करोड़ रूपए की राशि पहुँची। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजगढ़ जिले में आयोजित हुए किसान-कल्याण महाकुंभ से सिंगल क्लिक के जरिए जिले के किसानों के खातों में मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत धनराशि पहुँचाई। किसान कल्याण महाकुंभ से सिंगल क्लिक से प्रदेश भर के किसानों के खातों में लगभग 6 हजार 456 करोड़ रूपए की धनराशि पहुँची।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम राजगढ़ में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में किया गया। यहां शिवपुरी में जिला स्तरीय कार्यक्रम मानस भवन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष राजू बाथम, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, राज्य मंत्री दर्जा प्रहलाद भारती, रमेश खटीक, कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी, कृषि विभाग के उपसंचालक यूएस तोमर, सहकारी बैंक के जीएम अरस्तु प्रभाकर सहित बड़ी संख्या में किसान हितग्राहियों उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना वर्ष 2023 में लागू की गई। इस योजना के तहत शिवपुरी जिले के 42 हजार किसानों को 68 करोड का ब्याज माफी का लाभ दिया जा रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 41 हजार किसानों को लगभग 15 करोड़ का भुगतान किया गया है। जिसमें खरीफ सीजन वर्ष 2021 के लिए लगभग 9 करोड़ और रवि सीजन वर्ष 2021 के लिए लगभग 6 करोड की राशि का भुगतान किया गया।

देहात पुलिस ने चार वर्ष पूर्व हुये अंधे कत्ल का किया खुलासा

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार एवं नगर पुलिसअधीक्षक सुश्री निशा रेडडी के निर्देशन में थाना प्रभारी देहात निरी. सुधीर सिंह कुशवाह के नेतृत्व में चार वर्ष पूर्व मातादीन का पुरा में मृतक सुरेश श्रीवास्तव को उसके पुत्र ने रात्रि में गला घोंट कर अपने घर की छत पर बने पिलर से रस्सी बांधकर छज्जे से लटका दिया था। अंधे कत्ल का खुलासा कर मृतक के पुत्र को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया गया। दिनांक 28/08/19 को फरियादी मृतक के साले के लडके सुशील श्रीवास्तव ने थाना देहात पर रिपोर्ट किया कि मेरे फूफा छत पर बने पिलर से रस्सी से छज्जे के नीचे फांसी पर लटके हुये है। उक्त सूचना पर से मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। सम्पूर्ण जांच से मृतक की मृत्यु सन्देहास्पद होने से वरिष्ठ अधिकारियो एवं थाना प्रभारी निरी सुधीर सिंह कुशवाह ने तत्काल संज्ञान में लेकर मय टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर बारीकि से निरीक्षण किया गया। मामले की सूक्ष्म जांच की गयी तो मामला प्रथम दृष्टया सन्देहास्पद प्रतीत हुआ, तब पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों के अलावा आस पडोस के लोगों से बारीकी से पूछताछ की गयी तो घटना के सम्बन्ध बिना अपना नाम खुलासा करने की शर्त पर मृतक सुरेश की मृत्यु में उसके छोटे लड़के पर शक होना बताया। दौराने जांच मृतक के परिजनों से कथन एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आये अभिमत में भिन्नता पायी गयी, पीएम रिपोर्ट एवं आई साक्ष्य के आधार अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध अपराध धारा 302 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामला अत्यधिक पेचीदा होने से मृतक सुरेश श्रीवास्तव की मृत्यु की गुत्थी सुलझाने के सम्बन्ध में पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दिया गया था एवं मृतक के परिजनों से पुनः बारीकी से पूछताछ की गयी तो उन्होंने बताया कि मृतक के पास काफी कर्जा हो गया था जिससे वह अपना मकान बेंचना चाह रहा था जिसका विरोध उसका छोटा लडका करता था। जिससे आये दिन मुंहबाद होता रहता था। घटना से एक दिन पूर्व मृतक तथा उसके छोटे लड़के में मकान बेंचने के उपर से पुनः विवाद हुआ हाथापाई की नौबत आ गयी तब परिजनों ने मामले को शान्त करवा दिया था। तभी छोटा लडके ने मृतक सुरेश से बोला कि आज रात्रि में देखता हूं कैसे मकान बेंचते हो, दूसरे ही दिन मृतक सुरेश का शव पिलर से लटका हुआ मिला था। परिजनों ने सुरेश की हत्या के सम्बन्ध में शक जाहिर किया तभी पुलिस द्वारा छोटे लडके से पुनः पूछताछ की गयी तो उसने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया और बताया कि मैं काठमांडू नेपाल में हलवाई का काम करता हूं मेरे पिता मकान को बेंच रहे थे,जो मुझे बुरा लग रहा था। वह नहीं मान रहे थे तो मैंने गुस्से में आकर रात्रि में अपने परिजनों के कमरे की बाहर से कुंडी लगा दी थी और पिताजी की डंडे से मारपीट की बाद हाथ से उनका गला घोंट कर हत्या कर दी फिर रस्सी से फंदा बनाकर गले में बांधकर पिलर से छज्जे के नीचे लटका दिया था, जिससे लोग समझे कि फांसी लगा ली,बाद आरोपी द्वारा जुर्म स्वीकार करने पर गिरफ्तार किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। सराहनीय भूमिका-मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री निशा रेड्डी के मार्गदर्शन में निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह थाना प्रभारी देहात,उनि. नीतेन्द्र मावई, प्रआर. सोनेन्द्र सिंह, गुरूदास सोही, केशव।

पुत्र ही निकला अपने पिता का कातिल

आज गोहरापदर में मोदी सरकार के शानदार 9 वर्ष पूर्ण होने पर लाभार्थी सम्मेलन

प्रदेश से पहुँचे दिग्गज नेता आमसभा को करेंगे सम्बोधित

संवाददाता हेमचंद नागेश

गोहरापदर। भाजपा छत्तीसगढ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है.जिसे लेकर बिंद्रानवागढ़ विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन एवं जनसभा गोहरापदर में आयोजित की जा रही हैं।विशाल आम सभा की तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी ने बताया की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार कि 9 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार द्वारा जनहित में किए गए कार्यों की उपलब्धियों को जनता के बीच रखने के लिए विशाल आम सभा का आयोजन गोहरापदर के हाई स्कूल मैदान में होगा जहां प्रदेश के दिग्गज नेता पहुँचेंगे. जहाँ प्रदेश के पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अजय चंद्राकर, सांसद चुन्नीलाल साहू,पूर्व सांसद चंदूलाल साहू,क्षेत्रीय विधायक डमरुधर पुजारी, धमतरी विधायक रंजना साहू, पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह माँझी, जिलाध्यक्ष राजेश साहू मौजूद रहेंगे। मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी ने कार्यकर्ता एवं आम जनता से कार्यक्रम में पहुँच कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

पुलिस द्वारा तीन वाहन चोरों को किया गिरफ्तार, चार मोटरसाईकिलें बरामद

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक भिंड मनीष खत्री व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री निशा रेडडी के निर्देशन में चलाये जा रहे सम्पत्ती सम्बन्धी आरोपीगणों के धरपकड अभियान के तहत थाना प्रभारी देहात निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह के नेतृत्व में दिनांक 10/06/23 को मुडियाखेडा चौराहे पर तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार कर चार मोटरसाईकिलें बरामद की गयी, जिसमें एक थाना मेहगांव, दूसरी थाना देहात क्षेत्र से चोरी हुयी है, तीसरी मोटरसाईकिल गोहद चौराह क्षेत्र से चोरी हुयी तथा चौथी मोटरसाईकिल कटी हुयी अवस्था में टुकडों में मिली है। गिरफ्तारशुदा आरोपीगणों से अन्य चोरी गयी मोटरसाईकिलों के सम्बन्ध में पूछताछ की जा रही है। दिनांक 09/06/23 को फरियादी ने अपनी मोटर साईकिल चोरी होने के सम्बन्ध में थाना देहात पर रिपोर्ट की थी। रिपोर्ट पर से थाना देहात पर अपराध पंजीबद्ध कर चोरी गयी मोटरसाईकिल की पतारसी हेतु टीम गठित की गयी। टीम द्वारा घटना को गम्भीरता से लिया जाकर मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि मुडियाखेडा चौराहे के पास दो व्यक्ति द्वारिका गाईन से चोरी हुई डिस्कवर मोटरसाईकिल लिये खडे है तभी टीम के द्वारा दबिश देकर उक्त आरोपीगणों को मय मोटरसाईकिल के घेराबन्दी कर पकड़ा गया। जिनसे सख्ती से पूछताछ की गयी तो मेहगांव क्षेत्र से एक प्लेटिना मोटरसाईकिल व रेलवे क्रासिंग से एक सीटी 100 मोटरसाईकिल चोरी करना बताया व सीटी 100 मोटरसाईकिल को बेंचने के लिये उसके पार्टस अलग करना बताया। दिनांक 12/06/23 को मुखबिर की सूचना पर से एक अन्य आरोपी (जो कबाडे की दुकान करता है) को गिरफ्तार कर एक प्लेटिना मोटरसाईकिल बरामद की गयी। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह,उनि नीतेन्द्र सिंह मावई, प्रआर गुरूदास सोही,सोनेन्द्र सिंह राजावत, राजेश गर्ग,आर सन्दीप राजावत भानूप्रताप,देवेन्द्र शर्मा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

ऑटो चालक की ईमानदारी व सूझबूझ से महिला का ऑटो में गुम हुआ बैग वापस मिला

महिला के करीब एक लाख रूपये कीमती जेवर व 5000 रूपये नगद वापस मिले

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

पुलिस अधीक्षक भिंड श्री मनीष खत्री व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री निशा रेडडी के निर्देशन में शहर की पुलिस व्यवस्था चाक चौबन्द कर दी गयी। इसी तारतम्य में दिनांक 09/06/23 को फरियादिया राधा का बैग जिसमें सोने 7 चांदी के जेवरात व 5000 रूपये नगद थे जो बीटीआई रोड पर ऑटो में छूट गया था।फरियादिया ने थाने पर आकर उक्त सम्बन्ध में शिकायत की। तत्काल थाना देहात भिण्ड पुलिस द्वारा प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये जांच में जुट गयी। पुलिस द्वारा यातायात,चीता मोबाईल आदि सभी प्वाईटो को उक्त सम्बन्ध में सूचना कर दी। किन्तु फरियादिया का बैग ऑटो की सीट के नीचे छिप जाने से ऑटो चालक आकाश शाक्य उसे देख नहीं पाया था। जब दिनांक 13/06/23 को ऑटो की साफ सफाई की तो वह बैग सीट के नीचे मिल गया। बैग मिलने की सूचना तत्काल ऑटो चालक ने लहार चुंगी पर डियूतीरत ट्रैफिक जवान को दी। ट्रैफिक जवान द्वारा तत्काल ऑटो चालक को अपने साथ लेकर थाना देहात पर उपस्थित हुआ। थाना देहात पुलिस द्वारा फरियादी को बुलाकर सोने चांदी के जेवरात कीमती एक लाख रूपये व 5000 रूपये नगद मय बैग के सुपुर्द किया गया। बैग मिलते ही फरियादी के खुशी का ठिकाना नहीं रहा तथा भिण्ड पुलिस व ऑटो चालक आकाश शाक्य को आभार व्यक्ति किया। उल्लेखनीय कार्य में निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह, यातायात आरक्षक संजय दिनकर, बीडीएस सदस्य मनीष सिंह राजावत व ऑटो चालक आकाश शाक्य नि. महावीर नगर भिण्ड की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आम आदमी पार्टी गोरमी में मीटिंग हुई संपन्न

आम आदमी पार्टी की ब्लॉक स्तर की मीटिंग श्री धीर सिंह महाविद्यालय में

संतोष भदौरिया रिपोर्टर
पुष्पांजली टुडे

गोरमी। पंजाब प्रदेश के सेक्रेटरी और मेहगांव विधानसभा के प्रभारी श्री गुरु चरण सिंह कपूर जी और करनाल सिंह जी मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। मीटिंग का उद्देश्य 25 जून को ग्वालियर में होने जा रही महारैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी और पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भागवत मान जी ग्वार चंबल संभाग की जनता को

संबोधित करेंगे और आगामी मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की आगाज़ करेंगे। प्रभारी जी ने पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया और महारैली को सफल बनाने हेतु जनता से अपील की उन्होंने बताया मेहगांव विधानसभा से कम से कम 5000 आदमी बसों और कारों से महारैली में उपस्थित होंगे। मीटिंग में मुख्य रूप से सतेंद्र सिंह भदोरिया प्रदेश सचिव, राकेश समाधियां किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष, उमाचरण चुरारिया लोकसभा उपाध्यक्ष, डॉक्टर बृजमोहन शर्मा जिला सचिव, रामशंकर सिंह भदोरिया जिला उपाध्यक्ष, सुभाष सिंह भदोरिया जिला उपाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष मान सिंह भदोरिया, राजू सिंह भदोरिया, कमलेश नरवरिया जी, सर्किल इंचार्ज विजयराम भदोरिया राजू ,पवन सिंह गिर्राज सिंह , रिशव सिंह उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद, गुजरात उत्तर विभाग की मेजबानी मे सिद्धम शाखा ने मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन

पाटन ब्यूरो, दैनिक पुष्पांजली टुडे

गुजरात। पाटन मे रविवार 11 जुन 2023, को पाटन हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय कन्वेंशन हॉल में मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अधिवेशन में उत्तर गुजरात की विभिन्न 15 शाखाओं की 400 महिला मातृशक्ती ने भाग लिया। इस सम्मेलन का मुख्य विषय था महिलाएं- तनाव और जीवन की दौड़ में समाधान (तनाव प्रबंधन)। वर्तमान समय की महिलाएं न केवल गृहिणी हैं बल्कि निरंतर भागदौड़ भरी जिंदगी में विशेष कार्य भी कर रही हैं। निरंतर तनाव से कैसे बाहर निकलें ईस विषय पे अध्यक्ष यज्ञाबेन जोशी की जो विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र संघ क्षेत्र के सह संयोजिका है उन के द्वारा एक सुंदर व्यक्तव्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भरतभाई ठक्कर, भारतीबहन प्रजापति, आरती बहन चोकसी थे। उत्तर विभाग के अध्यक्ष उर्वेशभाई पंड्या विशेष रूप से उपस्थित रहे थे और बहनों को इस अवसर पर बधाई भरतभाई ठक्कर ने भारत विकास परिषद और इसकी गतिविधियों के बारे में सभी उपस्थित श्रोता ओ को जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्ण वंदे मातरम् गान से हुई एवम् पाटन सिद्धहेमशाखा की बेटियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर कीया साथमे हि दुर्गावाहीनी, पाटन की बेटियों ने तलवार नृत्य करके सब मेहमान एवम् श्रोताओ को सम्मोहित कर लिया। भारत विकास परिषद, गुजरात उत्तर प्रांत महिला समन्वयक ममताबहन खमारने आज एक स्त्री शक्ती का स्वरूप कैसा होना चाहिए, इस बारे में एक सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद गुजरात उत्तर प्रांत की महिला विभाग 2007 से कार्यरत है और अब तक उत्तर प्रांत क की 14 महिला समन्वयकों विशेष सन्मान किया गया। इस कार्यक्रम के जरिये विभिन्न शाखाओं की बहनें एक-दूसरे के संपर्क में आती हैं और एक-दूसरे का सहयोग, सेवाणके चलते हुए संस्कारोन्मुख कार्यक्रम भी प्राप्त होते हैं। कार्यक्रम में उत्तरी प्रांत के ट्रस्टी श्री सतीशभाई ठक्कर, डॉ. अजयभाई जोशी, डॉ. मनोजभाई अमीन, कोर कमेटी सदस्य दिनेशभाई वोरा, अरविंदभाई तुवर, जयेशभाई पटेल, विभिन्न शाखाओं के प्रमुख, मंत्री कोषाध्यक्ष व उत्तर प्रांत के कारोबारी सदस्य उपस्थित रहे थे। शाखाओं में हो रहे कार्यक्रमो का ब्योरा महिला समन्वयक धरतीबेन ठक्कर ने दीया। कार्यक्रम को सफल बनाने का धन्यवाद प्रस्ताव सविताबहन पटेल ने किया। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर, मधुमेह एवम् रक्तचाप जांच शिविर का आयोजन किया गया।संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन सिद्धेम शाखा, पाटन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के लिए शाखा अध्यक्ष भार्गवभाई चोकसी, मंत्री अल्पेशभाई पटेल, महिला समन्वयक और शाखा की पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की। पूरे कार्यक्रम का संचालन कमलभाई चंदाराणा, मोनालबहन चंदाराणा, एवम् नेहाबेन पटेल ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर बाल अधिकार समारोह आयोजित

अपने घर को बाल श्रम मुक्त बनाकर, गांव व जिला बनाने की पहल में सांझीदार बनें: कमलेश भार्गव सीईओ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

दतिया। संवेदनशील कलेक्टर श्री संजय कुमार के निर्देशन में जिला श्रम विभाग के तत्वावधान में प्रकाशनगर के शासकीय विद्यालय प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस 2023 का आयोजन श्री कमलेश भार्गव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री धनंजय मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री यूएन मिश्रा, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री उत्तम सिंह कौरव उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से बाल कल्याण समिति सदस्य श्री भगवानसिंह कुशवाहा, एडवोकेट कल्पना राजे बैस, बचपन बचाओ आंदोलन से श्री रामजीशरण राय, बाल प्रगति संस्था संचालक सुदीप तिवारी, एसआरबी फाउंडेशन के बृजेंद्र कुमार ने उपस्थित रहकर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए स्वागत भाषण श्रीमती निशा जहां श्रम निरीक्षक दतिया ने प्रस्तुत किया। बाल अधिकारों पर व्यापक जानकारी देते हुए मुख्य अतिथि श्री कमलेश भार्गव सीईओ जिला पंचायत में उपस्थित जन समुदाय से बाल श्रम को रोकने हेतु स्वयं से प्रयास करने की बात कही। अपने

घर को बालश्रम मुक्त बनाकर, गांव व जिला बनाने की पहल में सांझीदार बनें। बाल श्रम होने पर तुरंत 1098 पर सूचित करने की बात कही। वही एसीईओ श्री धनंजय मिश्रा द्वारा ग्रामीणों से बच्चों को उनके विकास के समुचित अवसर मुहैया कराने का आह्वान किया। जिला शिक्षा अधिकारी यू एन मिश्रा द्वारा बच्चों से स्कूली शिक्षा की स्थिति जानते हुए बच्चों से कुछ प्रश्न किए और उनके समाधान किए। कार्यक्रम का सफल संचालन स्वदेश नवांकुर संस्था के संचालक व डीसीपीसी सदस्य रामजीशरण राय द्वारा करते हुए बाल अधिकारों की जानकारी दी एवं बाल श्रम के दुष्परिणाम और बाल श्रम कराने वालों के लिए अधिनियम के प्रावधानों को बताया। साथ ही बीबीए व सीएसीएल की जानकारी दी। जिला संयोजक चाइल्ड लाइन श्री सोमेश कुमार सिंह द्वारा बच्चो से बाल श्रम से संबंधित प्रश्नोत्तरी की तथा बच्चों को बिस्किट, पेन,कॉपी,पुस्तक आदि गिफ्ट्स भी दिए गए।विद्यालय के प्रशांत मिश्रा , श्रम विभाग से श्रीमती अदिति तिवारी एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। चाइल्डलाइन कोऑर्डिनेटर सोमेश सिंह ने चाइल्डलाइन गतिविधियों के बारे में बताया साथ ही 1098 पर बाल श्रम की सूचना देने की बात कही। मुख्य अतिथि श्री कमलेश भार्गव द्वारा उपस्थित समुदाय को बाल श्रम रोकने एवं बाल श्रम मुक्त दतिया बनाने और नशा मुक्त दतिया बनाने हेतु सामूहिक शपथ दिलाई। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त ग्राम के सरपंच द्वारा किया गया। आयोजित बाल अधिकार समारोह में ग्राम पंचायत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, स्व सहायता समूह की महिलाओं का विशेष योगदान रहा।

फाउंडेशन द्वारा 150 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया

ब्यूरो रिपोर्ट, पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाने बाली दिव्यांशी एस के फाउंडेशन ने 150 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया, जिनमें समाजसेवी शिक्षक एवं विद्यार्थी गण, पत्रकारो का सम्मान दिया गया, मुख्य अतिथि के रूप में सी.एस.पी रवि भदोरिया जी सम्मिलित रहे इनके अतिरिक्त माननीय श्री केके दीक्षित जी, शैलेश कुशवाहा जी, डॉक्टर नीखरा जी एवं मिस ग्वालियर श्वेता चौहान जी और आयरन गर्ल के नाम से प्रसिद्ध निहारिका जी एवम रामावतार तोमर जी अतिथि के रुप में सम्मिलित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ सिद्धि सूरी द्वारा गणेश वंदना कर किया गया आज सम्मान के रूप में प्रतिभाओं को सर्टिफिकेट मेडल और ट्रॉफी प्रदान किए गए समाजसेवी के रूप में अन्य प्रदेश से देवरिया उत्तर प्रदेश से विनोद सोनी जी को एवं तेलंगना से एमडीआर फाउंडेशन को सम्मानित किया गया इसके अतिरिक्त ग्वालियर की 50 संस्थाओं को सम्मानित किया गया एवं 15 पत्रकारों को सम्मानित किया गया 2 डॉक्टर का सम्मान भी किया गया जिनमें डॉक्टर अंकित भदौरिया जी एवं डॉक्टर रजनीश नीखरा जी का सम्मान किया गया इसके अलावा 100 विद्यार्थियों को जिन्होंने 75त से अधिक अंक प्राप्त किए उन्हें संस्था द्वारा सम्मानित किया गया एवं संस्था द्वारा चलाई जा रही निशुल्क अंग्रेजी शिक्षा के माध्यम से इंग्लिश स्पीकिंग का 3 महीने का नेशनल कोर्स जिसमें 25 बच्चों ने भाग लिया था उन्हें भी अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया एवम उन्हे पर्यावरण को बचाने की शपथ भी दिलवाई संस्था की ओर से इंडियन इंस्पिरेशनल अवार्ड भी प्रदान किए गए जिनमें पायल, निशा, अरुण, स्वदेश, स्नेहा सोनी, उमंग लहरी, पारस दोहरे आदि 20 प्रतिभाओं को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया मंच का संचालन विनोद सिंह तोमर द्वारा किया गया एवं मंच की अध्यक्षता अंजली गौतम द्वारा की गई इसके अतिरिक्त संस्था के सदस्य मिस ग्वालियर श्वेता सिंह चौहान, खुशबू, खुशी, किरण, गायत्री, स्मृति, चित्रांशी, लखबीर सिंह, शैलेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह, छवि सिंह, अर्जुन सिंह, विकास सिंह, यश वर्मा जी, यशवंत गुप्ता जी, अरुण गुर्जर, स्वदेश शाक्य, रविंद्र जी, प्रियांश परिहार आदि सभी सदस्य मौजूद रहे।

अपराधियों के खिलाफ जारी रहेगा अभियानः एसपी शैलेन्द्र सिह चौहान मुरैना

केशब पंडित जी अम्बाह

मुरैना। जिले में अपराधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। आपराधिक घटनाओं में शामिल सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी। उक्त बातें पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलैन्द्र सिह चौहान ने सोमवार को पुलिस कॉन्फ्रैस में पत्रकार बार्ता में कही। उन्होंने बताया लंबित अपराधो की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधो के निष्पादन में किसी प्रकार की ढिलाई को बर्दाश्त नहीं की जावेगी। उन्होंने प्रतिवेदित अपराधो के अपेक्षा अधिक अपराधो को निष्पादित करने का निर्देश देने को कहा है। एसपी ने लंबित कुर्की-जब्ती व गिरफ्तारी वारंट को निष्पादित करने, गिरफ्तारी नहीं होने की स्थिति में न्यायालय से कुर्की-जब्ती का आदेश प्राप्त कर कार्रवाई

करने को कहा। उन्होंने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में गश्ती व्यवस्था को सुदृढ़ रखने। दूरभाष या मोबाइल पर मिलने वाली सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने व थाना आने वाले लोगों की समस्या को सुनकर निदान करने की बात कही। अब बर्षात का महीना आने बाला है जमीन जुताई को लेकर इन दो महीनो में अधिक झगडे होने की संभाबनाये होती जमीन विवाद के मामले में थाना स्तर पर पटवारी राजस्व अधिकारी के साथ जनता दरबार आयोजित कर सुलझाने,की जल्द पहुचकर मौका मुआयना करे आपसी सामन्जस्य कराकर निवटाये इसमें पुलिस बिभाग की लापरबाही बिल्कुल बर्दास्त नही की जाबेगी किशोर अपराध, महिला अपराध आदि पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

जनसहयोग से सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु थाना प्रभारी ने की अपील

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । चम्बल जोन पुलिस महानिरीक्षक सुशांत कुमार सक्सेना तथा पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा ने ऊमरी कस्बे में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की कि पहल की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे एवं डीएसपी अरविंद शाह ने भी ग्राम पंचायत सरपंच व जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर कस्बे में व्यापारियो से संपर्क कर, सीसीटीवी लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री तोमर के जन्मदिन पर विवेक चौहान ने एक वर्ष की स्कूल फीस दिव्यादृष्टि आश्रम को सौंपी

ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री देश के गौरव प्रेरणास्त्रोत श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी के जन्मदिन के उपलक्ष में युवा मोर्चे के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक चौहान ने दिव्यादृष्टि आश्रम गोले का मंदिर पर बालिकाओं को स्कूल बेग वितरण एवं एक बालिका की एक वर्ष की स्कूल फीस आश्रम को सौंपी जिसमें मुख्य रूप से श्री देवेंद्र तोमर (रामू भैया)जी , अशोक जैन जी, वेदप्रकाश शिवहरे जी, सुभाष शर्मा जी, हरीश यादव जी, प्रतीक तिवारी जी, कुलदीप यादव जी, सौरभ समाधिया जी, सचिन पचौरी जी, हर्ष श्रीवास्तव जी, मनोज जी, जय बाथम जी, दिनेश रावत जी, विक्रम जी,श्री अभय जी,श्री रोहित जी, राघवेंद्र जी, अंशुल जी, अर्पित जी, अंकित जी, दीपक जी, विवेक पाल जी,श्री पीयूष जी, महेन्द्र जी, पृथ्वी जी, कविश जी,श्री ऋषु जी एवं समस्त प्रियजन उपस्थित रहे, साथ ही रामू तोमर ने युवाओं से अपील भी की वर्ष में एक दिन समय निकालकर सामाजिक कार्यक्रमो में भी अपनी भागीदारी निभानी चाहिये साथ ही जिस तरह आज युवा आगे बढ़कर हर कार्य को कर रहा है उसमें सभी युवाओ को सहयोग करते रहना चाहिये साथ ही विवेक

चौहान द्वारा आज जन्मदिन के उपलक्ष्य में जिस तरह आज ये सराहनीय कार्य की पहल की है हम सब को भी इस तरह के कार्य मे बढ़चढ़कर भाग लेना चाहिये।

अम्बाह पुलिस द्वारा हत्या के अपराध मे फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

केशब पंडित जी अम्बाह

पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा मुरैना जिले में गम्भीर

अपराधो मे फरार आरोपियो की धरपकड़ एवं उनके शीघ्र निराकरण हेतु चलाये जा रहे है अभियान के अन्तर्गत अति. पुलिस अधीक्षक रायसिंह नरवरिया जी के निर्देशन में तथा एसडीओपी परिमाल सिंह मैहरा जी के मार्गदर्शन में दिनांक 02/06/23 की रात्रि मे ग्राम लक्ष्मण पुरा अम्बाह के पास रामनाथ सिंह गुर्जर के खेत पर बनी तिवरिया पर बनवारी पुत्र तोताराम सखवार उम्र 50 साल निवासी ग्राम हिंगावली अम्बाह की हत्या कर मृतक बनवारी सखवार की लाश को वहीं थोड़ी दूरी पर नहर के बम्बा के पास ले जाकर जलाया गया था। उक्त घटना क्रम को अंजाम देने वाले दो आरोपियों के विरूद्ध थाना अम्बाह पुलिस द्वारा अपराध क्र. 364/23 धारा 302,201.34 ताहि, का कायम कर विवेचना मे लिया गया तथा उक्त अपराध के दोनो आरोपी घटना दिनांक से ही फरार चले रहे थे। जिनमे से एक आरोपी को थाना अम्बाह पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है।

इसमे भूमिका टीआई विनय यादव, एसआई पारथ सिहं परिहार, एस आई पंकज यादव, एसआई जितेन्द्र शर्मा, एसआई विवेक तोमर, एसआई विवेक शर्मा, बैधराज परिहार, एचसी 125 वसन्त साहू, एचसी 707 महेश शर्मा, सीआई 418 रामवीर सिंह गुर्जर, आर. जोगेन्द्र भदौरिया, आर. सतेन्द्र गुर्जर, आर. नरेंद्र मौर्य, आर. सिताराम, आर, पुष्पेन्द्र राजावत, आर, धर्मेन्द्र भदौरिया, आर, चालक महेंद्र राजावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बरूड़ द्वारा किसानों को ब्याज माफी होने पर किसानों को प्रमाण पत्र बांटे गए

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

टांडा बरूड़ निप्र नगर बरूड़ में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बरूड़ द्वारा किसानों के द्वारा संस्था से ऋण लिया गया था जो किसानों द्वारा समय पर भरे नहीं गये ऐसे किसानों का ओ डिव होने पर या खाते का पलटा नहीं करने पर ब्याज दर शुरू हो जाता है और किसानों का जो भी ब्याज बनता है किसानों की मजबूरी को समझते हुए मध्यप्रदेश शासन के मुखिया माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा यह फेसला लिया गया की किसानों का ब्याज मध्यप्रदेश सरकार भरेगी ड़ओर किसानों का ब्याज की राशि सरकार ने सोसायटियों को दिया गया इसी को देखते हुए आज टांडा बरूड़ की आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बरूड़ द्वारा किसानों को ड़ऋण माफी प्रमाण पत्र बांटे गए 2 लाख का ब्याज सरकार दे रही है भारतीय किसान मोर्चा जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष भगवान लक्ष्मन कुमरावत भूतपूर्व सोसायटी अध्यक्ष चंपालाल नत्थू कुमरावत भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र कुमरावत सत्यनारायण कुमरावत निगम कुमरावत संस्था का पुरा स्टाफ जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे उक्त जानकारी भगवान कुमरावत द्वारा दी गई।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर से विकास की मुख्यधारा से जुड़ाः पूर्व सांसद डॉ. भागीरथ प्रसाद

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष कार्यकाल के उपलक्ष में महा जनसंपर्क अभियान के तहत सामाजिक समरसता का संदेश कार्यकर्ताओं में उत्साह और जागृत को सर्वव्यापी बनाने के लिए मेहगांव विबधानसभा के कार्यकर्ताओं की टिफिन बैठक का आयोजन पशुपतिनाथ मंदिर मोरोली में संपन्न हुआ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डॉ भागीरथ प्रसाद एवं विशेष अतिथि के रूप में जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष के पी सिंह भदौरिया,मौजूद थे ।बैठक में मेहगांव विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्ष पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विभिन्न मोर्चों के मंडल

अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे सभी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से भोजन किया एवं आपसी भाईचारा एवं सामाजिक समरसता का परिचय देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत से पार्टी के काम में लग जाने की सभी कार्यकर्ताओं ने प्रण लिया।

पूर्व सांसद डॉ भागीरथ प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी सरकार के माध्यम से अंतोदय की विचारधारा से अंतिम छोर तक के समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों के उत्थान के लिए अनेकों योजनाओं को संचालित कर उन्हें विकास की दिशा से जोड़ने का काम किया है यह टिफिन बैठक का उद्देश्य कार्यकर्ताओं में सामाजिक समरसता का संदेश जागृत करता है हम सब मिशन 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने अपने बूथ पर भारतीय जनता पार्टी को जीता कर केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएं और विकास को मुख्यधारा से जुड़े उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित दल है। टिफिन बैठक में जिला मंत्री राजकुमार जैन,मंडल अध्यक्षों में गजेंद्र सिंह भदौरिया, नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया के भतीजे रिंकू भदौरिया भारत सिंह,सुभाष थापक किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य उपेंद्र सिंह भदौरिया उर्फ राज्जन,राजवीर सिंह गुर्जर, जेल सिंह नरवरिया,अवधेश सिंह बघेल, तेज बहादुर सिंह चौहान, सत्यवान सिंह नरवरिया ममता भदौरिया,पूर्णिमा अरविंद भदौरिया निर्मल आर्य, प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे और सभी ने टिफिन सह भोज के माध्यम से कार्यकर्ताओं में सामाजिक समरसता का भाव जागृत किया।

सिरोंज लटेरी विधानसभा में गूंज रही राम रोजगार कथा

रोजगार की चिंता तो सिर्फ राम जी ही कर सकते है

सिरोंज। राम रोजगार कथा सुनने में आपको अजीब और रोचक लग सकती है लेकिन आज की आवष्यकता और सिरोंज -लटेरी की चिंता करने भारतीय जीव जंतू कल्याण बोर्ड के सदस्य राम रघुवंषी की योजना के परिणामस्वरूप जन्म लेने वाली राम रोजगार कथा सिरोंज लटेरी विधान सभा के अंतर्गत आने वाले शहरो व ग्रामो में चर्चा का विषय बनी हुई है । महंगाई व बेरोजगार के समय में अनेक परिवार आज के समय आर्थिक परेषानियो का सामना कर रहें है लेकिन एक ऐसी योजना जो उनके घर जाकर युवाओ को रोजगार देने का प्रयास कर रही है वही युवा इस अद्भुत पहल का जोरो से स्वागत कर रहे मन ही मन खुषी मना रहे है और एक रोजगार की आस उन्हें दिखाई देने लगी है कि अब निष्चित ही उन्हे किसी न किसी प्रकार से कही न कहीं रोजगार मिल ही जायेंगा । जब इसी विषय को लेकर हमारे द्वारा युवाओ से बात चीत की तो उन्होने बताया कि क्षेत्र में पहली बार कोई व्यक्ति हमारे बीच नेता बनकर नही बल्कि एक मसीहा बन कर आया हे रोजगार का विषय लेकर आया है पहल अच्छी है परिणाम भी अच्छे आयेंगे और हमें और हमारे परिवार को असली खुषी तो तब मिलेंगी जब हम रोजगार से लग जायेंगे वही जब राम रघुवंषी जी टीम के सदस्य प्रमोद शर्मा से बात की गई तो उन्होने बताया कि राम रघुवंशी जी के द्वारा जो प्रयास किया गया वह अंत्यत ही सराहनीय प्रयास है मै स्वयं उनकी टीम के साथ जुडकर ग्रामीण व शहरीय क्षेत्र के पात्र युवाओ को खोजकर उन्हें रोजगार देने की कोषिष कर रहे है ।

मन में विचार आया और हमने ठान लिया-भारतीय जीव जंतू कल्याण बोर्ड के सदस्य राम रघुवंषी जी से इस रहस्मयी कथा को लेकर जब बात की गई तो उन्होने कहा कि वैसे तो मै पहले से ही सिरोंज लटेरी विधान सभा सहित पूरे प्रदेष की खुषहाली को लेकर चिंतन और मंथन करता रहा हू लेकिन अचानक मेरे मन में एक विचार आया क्यों न मेरे ग्रह क्षेत्र के लोगो को किसी प्रकार से रोजगार के साधन उपलब्ध करायें जायें बस फिर क्या था विचार आया और ठान लिया पूरे मनोयोग के साथ लग गया प्रदेष के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान , प्रदेष अध्यक्ष वीडी शर्मा , भाजपा प्रदेष प्रभारी मूरलीधर राव सहित कई बडे नेताओ ने भी इस विचार को सराहा एवं भरपूर सहयोग देने की बातं कही , अभी तो इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई है भविष्य में हमारी कोषिष रहेंगी कि हर परिवार तक रोजगार के साधन उपलब्ध करायें ।

कहां और किस प्रकार से दिया जाएगा रोजगार-राम रोजगार कथा पूरी विधानसभा क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है वही कैसे और किस प्रकार से रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे यह प्रश्न भी युवाओं के मन में जन्म ले रहा है लेकिन योजना के अनुसार देश कि बड़े शहरों में स्थित औद्योगिक कंपनियों में रोजगार देने की योजना बनाई गई है जिसके पहले चरण में 5000 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

सम्पादक की कलम से

फुलप्रूफ सीमा सुरक्षा

ऐसे वक्त में जब साम्राज्यवादी चीन गाहे-बगाहे भारतीय संप्रभुता को चुनौती देता रहता है वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर रक्षा तैयारियों को तेजी से पूरा करने की जरूरत है। इसी दिशा में केंद्र की पहल के बाद भारतीय सीमा सड़क संगठन ने काराकोरम में 17,800 फुट ऊंचाई पर स्थित सासेर दर्रे के पास सामरिक महत्व की चार किलोमीटर लंबी सड़क बनाने की तैयारी शुरू की है। बीआरओ ने इस निर्माण से जुड़ी निविदाएं आमंत्रित की हैं। दरअसल, बेहद दुर्गम इलाके में बनने वाली यह सड़क 56 किमी लंबी सैन्य उपयोग वाली महत्वाकांक्षी सड़क का हिस्सा होगी। दरअसल, इस मार्ग को उत्तरी लद्दाख में सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण देपसांग और दौलत बेग ओल्डी तक पहुंचने के वैकल्पिक मार्ग के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले तीन वर्षों में कुछ विवादित स्थलों को लेकर चीन के साथ कोर कमांडर स्तरीय वार्ता के 18 दौर चलने के बाद भी किसी निर्णायक समझौते तक नहीं पहुंचा जा सका है। वास्तव में चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिये सीमा पर बुनियादी ढांचे के विस्तार के क्रम में सीमावर्ती इलाके में इस कंक्रीट की सड़क का निर्माण किया जा रहा है, जो सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। भारत इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकता कि चीन सेना को शीघ्र एलएसी तक पहुंचाने के मकसद से अपने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सड़कों व पुलों का निर्माण कर रहा है। इन्हीं चुनौतियों के चलते हाल ही में विदेशमंत्री एस जयशंकर ने दो टूक शब्दों में चीन को चेताया कि पूर्वी लद्दाख सीमा में स्थिति सामान्य बनाये बिना भारत-चीन के संबंध सहज नहीं हो सकते। निस्संदेह जरूरी हो जाता है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगे इलाकों में सड़कें व अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं निर्धारित समय अवधि में पूरी कर ली जाएं। ऐसे ही कदम देश के अन्य राज्यों से लगती चीन की सीमा पर भी उठाये जाएं। खासकर अरुणाचल में बनायी जा रही रणनीतिक महत्व की सेला सुरंग के काम को जल्द पूरा किया जाये। इस सुरंग के बनने के बाद अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती तवांग जिले में सेना की आवाजाही हर मौसम में सुनिश्चित हो सकेगी। गत वर्ष दिसंबर में तवांग में ही भारतीय व चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। निस्संदेह, इन परियोजनाओं के यथाशीघ्र पूरा होने से न केवल सेना व सशस्त्र बलों को लाभ होगा बल्कि स्थानीय लोगों की आवाजाही भी आसान हो सकेगी। निस्संदेह, स्थानीय लोग ही सेना व खुफिया एजेंसियों के लिये आंख व कान का काम करते हैं। वे सीमा पर किसी असामान्य हलचल को भांप कर समय रहते सेना और इंटेलीजेंस एजेंसियों को सजग कर सकते हैं। यही वजह है कि अरुणाचल के सीमावर्ती इलाकों में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को गति दी जा रही है, ताकि संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में स्थानीय लोगों की सक्रियता बनी रहे।

वस्तु का सदुपयोग पुण्य, दुरुपयोग पाप

हाल के वर्षों में आत्मकेंद्रित सोच के चलते लोग ऐसी वस्तुओं का अनावश्यक संग्रह व उपभोग करने लगे हैं, जो दूसरों के हितों का अतिक्रमण करती हैं। कहा भी जाता है कि प्रकृति ने हर व्यक्ति के भरण-पोषण का इंतजाम किया है, लेकिन कुछ लोगों के लालच ने इसे उस तक नहीं पहुंचने दिया है। यह प्रवृत्ति हमारे समाज में तेजी से बढ़ रही है और सामाजिक असमानता का विस्तार हुआ है।

पिछले दिनों एक विवाह समारोह में जाना हुआ। लेकिन इन दिनों तो जाने क्यों, हर समारोह में आत्मीयता की जगह 'दिखावा' ही हावी दिखाई देने लगा है। ऐसी तड़क-भड़क थी कि आदमी वह चकाचौंध देखकर एक बार तो भ्रमित ही हो जाए। विवाह स्थल के बाहर कारों का हुजूम जमा था और सड़क पर ट्रैफिक का जाम लगा हुआ था। किसी तरह हम अंदर पहुंचे, तो हमारे मित्र ने मना करते-करते भी, हमारा लिफाफा लेकर पास खड़े हुए व्यक्ति को दिया और हमारे साथ फोटो खिंचाए। अब शुरू हुआ, वहां लगे तरह-तरह के पंडालों में सजे व्यंजनों को खाने का सिलसिला, तो हम चकरा से गए। वहां इतने स्टाल कि समझ नहीं आ रहा था कि हम खाएं तो क्या खाएं?

हमने देखा कि लोग खा कम रहे हैं और प्लेट्स में जूठा ज्यादा छोड़ रहे हैं। कितने ही स्टाल ऐसे थे, जहां रखे व्यंजनों को कोई छू तक नहीं रहा था। हर तरफ दुरुपयोग और अनुपयोग ज्यादा था, सदुपयोग बेहद कम नजर आया। एक तरफ इसी देश में ऐसे भी बदनसीब हैं, जिन्हें खाने को सूखी या बासी रोटी भी नहीं मिल पाती और यहां हर तरफ जूठी प्लेटों में वह सब बेकार

पड़ा था, जो लोगों ने लिया, पर खाया ही नहीं था। मैंने तो दो रोटी खाई और जब लौटने लगा तो बरबस याद आई एक कथा, जिसने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया कि हम किधर जा रहे हैं? वह कथा आप भी पढ़िए–

'एक राज्य में एक बूढ़ा व्यक्ति रहता था, जो वस्तुओं के उपयोग के मामले में बहुत कंजूस था। उसके पास एक चांदी का पात्र था, जिसे वह बहुत संभाल कर रखता था, क्योंकि वह उसकी सबसे मूल्यवान वस्तु थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कभी किसी विशेष व्यक्ति के आने पर उसे भोजन कराने के लिए उस पात्र का उपयोग करेगा।

एक बार उसके यहां एक संत आने वाले थे। उसने सोचा कि संत को उस चांदी के पात्र में भोजन परोसेंगे, लेकिन भोजन का समय आते-आते उसका विचार बदल गया। उसने सोचा, 'मेरा यह पात्र बहुत कीमती है, गांव-गांव भटकने वाले साधु के लिए उसे क्या निकालना?' किसी राजसी व्यक्ति के आने पर ही इस पात्र का इस्तेमाल करूंगा।

कुछ दिनों बाद उसके घर राजा का मंत्री आया। उसके मन में विचार आया कि मंत्री को चांदी के पात्र में भोजन कराऊं, लेकिन फिर सोचा, 'यह तो राजा का मंत्री है, जब राजा स्वयं मेरे घर पर भोजन करने आएंगे, तब कीमती पात्र निकाल लूंगा।' कुछ समय और बीता। एक दिन राजा स्वयं उसके घर भोजन के लिए पधारे, लेकिन राजा कुछ समय पूर्व पड़ोसी राजा से युद्ध में हार गए थे। भोजन परोसते समय बूढ़े व्यक्ति ने विचार किया कि पराजय के कारण इस राजा का गौरव तो कम हो गया है। अपने इस कीमती पात्र में तो अब मैं किसी बड़े गौरवशाली व्यक्ति को ही भोजन कराऊंगा।

इस तरह उसका पात्र बिना उपयोग के पड़ा ही रह गया और कुछ समय उपरांत बूढ़े व्यक्ति की मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु के बाद, एक दिन उसके बेटे को वह चांदी का पात्र दिखाई दिया, जो बेकार रखे-रखे बेहद काला पड़ चुका था। उसने वह पात्र अपनी पत्नी को दिखाकर पूछा कि इसका क्या करें? वह चांदी का पात्र इतना अधिक काला पड़ चुका था कि पता ही नहीं चल रहा था कि यह चांदी का भी हो सकता है। उसकी पत्नी बुरा मुंह बनाते हुए बोली, 'कितना गंदा पात्र है, इसे तो कुत्ते को भोजन देने के लिए निकाल दो।' बस उस दिन के बाद से उन का पालतू कुत्ता बूढ़े के उस मूल्यवान चांदी के बर्तन में भोजन करने लगा।'

मित्रों! सोचता हूं कि यह विडंबना ही तो है कि जिस पात्र को बूढ़े व्यक्ति ने जीवनभर किसी विशेष व्यक्ति के लिए संभाल कर रखा था, अनुपयोग के कारण अंततः उसकी यह गत हुई कि उसमें कुत्ते को भोजन मिला। कोई वस्तु कितनी भी मूल्यवान क्यों न हो, उसका मूल्य तभी है, जब वह उपयोग में लाई जाए। बिना उपयोग के बेकार पड़ी कीमती से कीमती वस्तु का भी कोई मूल्य नहीं होता। याद रखिए, वस्तु की चार गतियां होती हैं, सदुपयोग, उपयोग, दुरुपयोग और अनुपयोग। यदि सदुपयोग और उपयोग हो, तो उत्तम है। दुरुपयोग भी कहीं न कहीं सह लिया जाता है, लेकिन वस्तु का अनुपयोग तो अपराध या फिर पाप ही माना जाएगा।

आइए, हम सभी यह संकल्प लें कि जहां तक संभव हो, जीवन में हर वस्तु का सदुपयोग करेंगे। इस प्रकार हम 'अनुपयोग' के अपराध या पाप से तो बच पाएंगे।

जात और आरक्षण से भाजपा की मुश्किल

हरिशंकर व्यासतीन दशक पहले भारत में मंडल बनाम कमंडल की राजनीति शुरू हुई थी। हैरानी की बात है कि अब भी यह उत्तर भारत की राजनीति का कोर तत्व है। धर्म या हिंदुत्व की राजनीति जहां भाजपा की ताकत है वही जाति या आरक्षण की राजनीति उसकी कमजोरी। यह सिर्फ उत्तर भारत की परिघटना नहीं है, बल्कि जहां भी जाति और आरक्षण का मुद्दा राजनीति पर हावी होता है वहां भाजपा को नुकसान होता है। कर्नाटक में हाल में हुए विधानसभा चुनाव की मिसाल से इसे समझा जा सकता है। वहां चुनाव से पहले भाजपा ने आरक्षण की राजनीति में हाथ डाला था। उसने अनुसूचित जाति के आरक्षण के भीतर एक आरक्षण का प्रावधान किया था और चार फीसदी मुस्लिम आरक्षण खत्म करके उसे राज्य की दो सबसे ताकतवर जातियों- वोक्कालिगा और लिंगायत में बांट दिया था। ये दोनों दांव भाजपा पर बहुत भारी पड़े हैं और ऐसा भाजपा के ही नेता कह रहे हैं।पिछले दिनों कर्नाटक में हार की समीक्षा के लिए प्रदेश भाजपा के नेताओं की एक बड़ी बैठक हुई थी, जिसमें राज्य के प्रभारी अरुण सिंह, राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा व बसवराज बोम्मई और प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील शामिल थे। इसमें जीते हुए सभी 66 विधायकों और हारे हुए प्रतिनिधियों को बुलाया गया था। सबने एक स्वर में कहा कि आरक्षण में छेड़छाड़ से नुकसान हुआ। दलित आरक्षण के भीतर एक आरक्षण बनवाने से बंजारा समुदाय पूरी तरह से नाराज हुआ, जिसका असर 42 सीटों पर पड़ा और वोक्कालिगा व लिंगायत का आरक्षण बढ़ाने से ओबीसी पूरी तरह से कट गया। उसने भाजपा को छोड़ दिया। सोचें, कर्नाटक जैसे विकसित राज्य में भी आरक्षण का मुद्दा चुनाव में इतना असर डाल सकता है तो उत्तर भारत के राज्यों के बारे में क्या कहा जा सकता है, जहां पूरी राजनीति ही आरक्षण के ईर्द-गिर्द होती है।इससे पहले देखें तो 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण की समीक्षा करने का बयान दिया था, जिसका चुनावी मुद्दा बना और भाजपा बुरी तरह से हारी। एक बार फिर 2024 के चुनाव से पहले आरक्षण का मुद्दा बन रहा है। बिहार में जातीय जनगणना चल रही है, जिस पर हाई कोर्ट ने रोक लगाई है। लेकिन बिहार की दोनों मंडलवादी पार्टियों- राजद और जदयू के साथ साथ उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी ने भी साफ कर दिया है कि जातीय जनगणना जरूरी है और इसके नतीजों के आधार पर हर जाति को उसकी आबादी के अनुपात में आरक्षण मिलना चाहिए। इन तीनों पार्टियों ने आरक्षण की सीमा बढ़ाने का दांव चला है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अब तक जाति और आरक्षण की राजनीति से दूरी रखने वाली कांग्रेस भी इसमें शामिल है। कर्नाटक में राहुल गांधी ने जितनी आबादी, उतना हक' का नारा दिया। यह सातवें, आठवें दशक में लगने वाले नारों का दोहराव है। तब नारा लगता था, पिछड़ा पावे सौ में साठ' या जिसकी जितना संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी'।सो, हिंदी पट्टी यानी उत्तर भारत के राज्यों में मजबूत आधार वाली पार्टियों- कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद और जदयू ने जातिगत जनगणना और जातियों की संख्या के अनुपात में आरक्षण का मुद्दा बनाया है। भाजपा के लिए यह पूरी तरह से अनजाना मैदान है। वह इसमें घुसने के खतरे जानती है।

पेज-5 जानिए क्यों खुद को सख्त मां मानती हैं फेमस एक्ट्रेस राजेश्वरी सचदेव

शैक्षिक संस्थानों को अनुदान से स्वावलंबन की राह

भारत को एक युवा देश कहा जाता है। इसकी लगभग आधी जनता कार्यशील आयु वर्ग में है और शिक्षा प्राप्त करने के उपयुक्त आयु अर्थात? 16 से 26 की उम्र के तहत भी लगभग एक-तिहाई जनता आ जाती है। सरकार ने उच्च शिक्षा को व्यावहारिक और उपयोगी बनाने के लिए नई शिक्षा नीति बना दी है। दरअसल, हर चुनावी एजेंडे में जनता को शिक्षित करना और नौनिहालों को विद्या दान देना एक आकर्षक मुद्दा है, इसलिए लगभग सभी प्रभावशाली पार्टियां शिक्षा में बेहतरी को एक मुख्य एजेंडा मानकर चल रही हैं। पिछले दिनों उच्च शिक्षा के बारे में एक सर्वेक्षण भी आया कि इसके बावजूद अध्ययनरत युवा उचित शोध और अन्वेषण के प्रति झुकाव नहीं रखते हैं। यह भी कि पंजाब, राजस्थान और हरियाणा में नौजवानों का रुख वैज्ञानिक विषयों से अधिक कला संकाय के चयन की ओर हो रहा है। ऐसी बातों को उच्च शिक्षा के नये मॉडल को चुनौती के तौर पर स्वीकार करना चाहिए। वैसे यह तो स्वीकार होता रहेगा, पहले देखें कि इस समय राज्यों में युवाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने का क्या माहौल है?

पंजाब सहित प्रायः सभी राज्यों में कुछ राज्य विश्वविद्यालय हैं और कुछ निजी विश्वविद्यालयों का विकास भी अब तेजी से हो रहा है। शिक्षा का निजीकरण पंजाब में तो इस तेजी से हुआ कि अगर यहां तीन नियमित स्टेट यूनिवर्सिटीज काम कर रही हैं तो लगभग 16 निजी विश्वविद्यालय कार्यरत हैं। केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की बात छोड़िए।

पिछले दिनों में पंजाब यूनिवर्सिटी किस राज्य का गौरव है और इस पर पूर्ण अधिकार किसका हो, इसके बारे में दो मीटिंग हुईं। पहली मीटिंग में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक के साथ पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्री शामिल

हुए और इसी की अगली किस्त के रूप में 6 जून को भी दूसरी मीटिंग हुई है। सवाल इन नियमित यूनिवर्सिटियों के आर्थिक संकट का है। बेशक ये यूनिवर्सिटियां पंजाब का गौरव हैं जैसे पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाबी विवि और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी। लेकिन ये अर्थाभाव से घिरी हैं। एक यूनिवर्सिटी में तो इस साल के शुरू में शिक्षक और गैर-शिक्षक वर्ग को वेतन देने में कठिनाई पैदा हो गई थी जिसको पंजाब सरकार ने उदार अनुदान के साथ हल किया। लेकिन संकट अभी भी खड़े हैं। पंजाब, हरियाणा और हिमाचल के विश्वविद्यालय ही नहीं बल्कि अन्य विश्वविद्यालय भी सरकारी अनुदान पर निर्भर हैं, अगर वे नियमित हैं। वहीं निजी विश्वविद्यालयों के बारे में शिकायत यह कि ये फीसों आदि की अंधाधुंध वसूली करते हैं। इससे गरीब का बच्चा इनमें नहीं पढ़ सकता। पिछले दिनों इन विश्वविद्यालयों और फीस ढांचे की जांच भी होनी शुरू हुई। हिमाचल के एक विश्वविद्यालय पर भी अनियमितता के चलते कार्रवाई हुई। लेकिन स्टेट यूनिवर्सिटीज़ या केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का आर्थिक जिम्मा तो केन्द्र व राज्य सरकारों की सम्मिलित रूप से लेना चाहिए। लेकिन बीते दिनों एक सर्कुलर देश के राज्य विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलरों को प्राप्त हुआ जिसमें उन्हें आत्मनिर्भर होने के लिए यह कहा गया कि हमारे अनुदानों पर निर्भर न कीजिए, अपने कोष बनाइए और उन्हीं से अपना काम चलाइए। इससे पहले इन यूनिवर्सिटियों को चलाने का जिम्मा केन्द्र सरकार और संबंधित राज्य सरकार का संयुक्त रूप से रहता था। इसके लिए शिक्षा कर और सैस भी लगाए जाते थे। बार-बार आर्थिक विशेषज्ञों ने कहा कि देश में शिक्षा और शोध के विकास व अन्वेषण के लिए सरकार अपने जीडीपी का कम से कम 6 प्रतिशत व्यय करे। लेकिन किसी भी वर्ष इतना खर्च शिक्षा के विकास पर नहीं हो पा रहा। कर्ज के भार से दबी हुई राज्य सरकारें रियायत, अनुदान की नीति पर चलती रहीं। इसकी नई और आकर्षक योजनाएं घोषित करने में तो कोई विलम्ब नहीं करतीं। राज्य सरकारें कर्जभार से कितनी ही दब जाएं लेकिन जब शिक्षा की बात आती है तो उसके लिए आवंटित राशि में या तो कटौती हो जाती है या फिर उसे पूरा करने के लिए निजी क्षेत्र को आवाज देने की बात होने लगती है। जबकि आधुनिक वैज्ञानिक और डिजिटल जमाने में शिक्षा के बिना आदमी असंबद्ध जैसा है। समय के साथ चलने के लिए उसे न केवल पर्याप्त शिक्षित होना चाहिए बल्कि नये-नये शोध भी उसके विकास मार्ग को सुगम करें। लेकिन जो चिट्ठी हरियाणा सहित अन्य राज्यों के मुख्य सचिवों को अभी प्राप्त हुई है, उसमें इन विश्वविद्यालयों को अपने कोष खुद स्थापित करने के लिए कहा गया है। उन्हें कहा गया है कि वे चाहे अपने पुराने छात्रों से पैसे भेंट के रूप में स्वीकार करें या सार्वजनिक-निजी भागीदारी में प्रोजेक्ट चलाकर कमाएं या रिसर्च, शोध ग्रांट और अपने अन्वेषण के पेटेंट करवाकर पैसे की कमाई करें। उन्हें अब अपने पैरों पर खड़ा होने की जरूरत है। वहीं यह संदेश रेखांकित करता है कि जब अपने ही पैरों पर खड़े होने की बात आएगी तो ये विश्वविद्यालय छात्रों से अधिक फीस और चार्जेज की मांग करेंगे जिसका बोझ अभिभावकों पर पड़ेगा। क्या महंगाई के इस दौर में वे इन नियमित राज्य विश्वविद्यालयों में दाखिला दिलाकर युवाओं को शिक्षा ग्रहण कर पायेंगे? निजी विश्वविद्यालय तो पहले ही उनकी पहुंच से दूर थे। क्या अब नियमित विश्वविद्यालयों को भी सरकारी अनुदान पर निर्भर न रहने का जो संदेश दिया गया है, वह शिक्षा को कल्याणकारी कार्य के बजाय बाजारीकरण के भरोसे नहीं छोड़ देगा? इस चिट्ठी में यह भी शामिल है कि यूनिवर्सिटियों के पास जो जमीनें और अन्य संसाधान फालतू पड़े हैं, वे उनके भी व्यावसायिक इस्तेमाल के बारे में सोचें। इस प्रकार वे अपने पैरों पर खड़े होने का प्रयास करें। लेकिन सवाल यह है कि किस बात को पहली प्राथमिकता मिले? क्या इसे कि विश्वविद्यालय अब सरकारी अनुदान पर नहीं, अपने प्रयास से कमाई करके जिएं या फिर इस देश की युवा पीढ़ी को इस प्रकार शिक्षा-दीक्षा से आत्मनिर्भर बना दिया जाए कि वह अपनी रोटी खुद कमा सके। वह रियायत के लिए कतारों में खड़ी नजर न आये। दरअसल, जरूरत नई शिक्षा नीति के बदलते तेवरों को पहचानने की है। युवा पीढ़ी को स्तरीय व उपयोगी शिक्षा प्रदान करने की सामाजिक लागत बहुत कम होगी। जरूरत इस सामाजिक लागत को पहचानने की है, आर्थिक लागत से छुटकारा पाने की नहीं। अगर सरकार अपने संसाधनों को शिक्षा ढांचे को जिंदा रखकर उसे गरीब और निम्न मध्यवर्गीय लोगों तक पहुंचाती रहे तो खर्च किया गया यह धन अर्थव्यवस्था पर भार नहीं होगा। बल्कि इससे सुशिक्षित काबिल युवा पीढ़ी विकास में बेहतर योगदान करेगी जिससे देश की राष्ट्रीय आय, सकल घरेलू उत्पाद, निवेश और खेतीबाड़ी, व्यवसाय और निर्यात में सकारात्मक बदलाव आयेगा। ऐसे में विश्वविद्यालयों को जिंदा रखने पर खर्च किया गया धन बोझ नहीं लगेगा। उम्मीद रखनी चाहिए कि इस प्राथमिकता को सही पहचान मिले और राज्य विश्वविद्यालयों को प्राइवेट यूनिवर्सिटीज की तरह पैसा कमाने की दौड़ में शामिल नहीं होना पड़े।

खरगोन पुलिस द्वारा मोटर सायकल चोर गिरोह का पर्दाफाश

सघन वाहन चेकिंग ओर पुलिस सतर्कता से मिली बड़ी सफलता, मोटर सायकल चोर गिरोह के 05 आरोपी गिरफ्तार

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

चोरी की कुल 17 मोटर सायकल एवं 05 मोटर सायकल इंजन पुलिस द्वारा बरामद, जप्त शुदा मोटर सायकल एवं इंजनो की कीमत लगभग 9,00,000/- रुपये है ।

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इंदौर (ग्रामीण) श्री राकेश गुप्ता द्वारा चोरी की घटनाओ पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के परिपालन मे पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह यादव के मार्गदर्शन में जिले के समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) व समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया । इसी तारतम्य में थाना करही पर मोटर सायकल चोर गिरोह के विरुद्ध बडी कार्यवाही की गई है ।

घटना का विवरण–थाना प्रभारी उनि श्री दीपक यादव द्वारा पुलिस कप्तान के आदेशानुसार बडवाह मण्डलेश्वर रोड पेट्रोल पंप के पास ग्राम कतरगांव मे सघन वाहन चैकिंग हेतु थाना पुलिस टीम को लगाया गया था । जहा वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को एक व्यक्ति बिना नंबर की मोटर सायकल से आता दिखाई दिया जो पुलिस को देखकर मोटर सायकल पलटाकर भागने लगा । जिसे पुलिस टीम द्वारा व्यक्ति को पकडा गया । उक्त व्यक्ति की होण्डा शाईन मोटर सायकल के संबंध में रजिस्ट्रेशन कार्ड एवं कागजात का पूछते रजिस्ट्रेशन कार्ड व कोई दस्तावेज नही होना बताया । पूछताछ मे उसने अपना नाम कैलाश पिता सखाराम सिटोले जाति बलाई उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम किठुद थाना बड़वाह का होना बताया । मोटर सायकल के संबंध मे अन्य जानकारी मांगने पर संदेही कैलाश सही जानकारी नहीं दे रहा था । पुलिस टीम द्वारा मोटर सायकल की जानकारी निकालने पर उक्त होण्डा शाईन मोटर सायकल लखनलाल निवासी बडदिया सुर्ता थाना बडवाह के नाम पर रजिस्टर्ड होना पायी गई । जिसके बारे मे जानकारी लेने पर लखनलाल द्वारा बताया गया की उसकी मोटर सायकल 02 महिने पहले उसके घर ग्राम बडदिया सुर्ता से कोई चुरा कर ले गया था। कैलाश को थाने लाकर पूछताछ

करने पर उसके द्वारा बताया गया की आरोपी द्वारा बडवाह, सनावद, मोरटक्का, बलवाडा, करही, महेश्वर से मोटर सायकल चोरी कर अन्य साथियों को कम दाम पर बैचना बताया साथ ही कुछ मोटर सायकलें अपने घर के पास छुपाकर रखना बताया । आरोपी कैलाश व उसके साथी पंकज, जितेन्द्र, अंकित एवं संदीप की निशानदेही पर आरोपियों के कब्जे से कुल 17 मोटर सायकल एवं 05 मोटर सायकलो के इंजन कुल कीमती 9,00,000/- रुपये का पुलिस द्वारा जप्त कर आरोपियो को गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तारशुदा आरोपी

1.कैलाश पिता सखाराम सिटोले जाति बलाई निवासी ग्राम किठुद थाना बड़वाह 2.पंकज पिता गणेश वर्मा जाति सोनकर उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम पिपल्या बुजुर्ग 3.जितेन्द्र उर्फ भीमा पिता दिनेश उर्फ दशरथ जाति भील निवासी ग्राम पथराड़ थाना मंडलेश्वर 4.अंकित पिता परमानन्द मेवाड़े उम्र 20 साल निवासी ग्राम बिलबावड़ी 5.संदीप पिता बाबुलाल खन्नोड़ जाति भारुड़ उम्र 30 साल निवासी ग्राम बिलबावड़ी

तरीका ए वारदात–आरोपी कैलाश द्वारा मोटर सायकल चोरी करने के लिये ग्रामीण ईलाको को टारगेट किया जाता था जहां सामान्यत मोटर सायकलें ग्रामीणो द्वारा अपने घर के बाहर बिना हैण्डल लाक लगाये रखी जाती थी। जिसें आरोपी डायरेक्ट कर मोटर सायकल स्टार्ट कर चोरी की घटना को अंजाम देता था। आरोपी पंकज द्वारा मोटर सायकलो को आरोपी कैलाश से खरीदकर पूरी मोटर सायकल को पार्ट्स खोलकर अलग अलग लोगो को बैच दिये जाते थे।

पुलिस टीम–उक्त प्रकरण मे अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग बडवाह श्री विनोद कुमार दीक्षित के मार्गदर्शन मे एवं थाना प्रभारी करही श्री दीपक यादव के नेतृत्व में सउनि रविन्द्र गुरु, प्रआर.400 रविन्द्र पटेल, आर.821 अभिषेक राणावत, आर.287 अमित पाल, आर. 776 रामूसिंह भदौरिया, आर.651 शैलेन्द्र सोलंकी, आर.248 प्रेम खरे, आर.173 ज्ञानेन्द्र यादव, मआर मंजु, मआर पूजा, मआर रसीदा व थाना स्टाफ करही एवं सायबर सेल से आर.अभिलाष डोंगेरे का विशेष योगदान रहा।

महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों के संबंध में पुलिस का जागरूकता अभियान

मैं हूँ अभिमन्यु अभियान शुरुआत

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में दिनांक 12/06/2023 से 16/06/2023 तक के लिए महिलाओं एवं बच्चो के विरुद्ध होने वाले अपराधो के संबंध में जागरूकता,महिलाओं को सुरक्षित एवम पूर्वाग्रह मुक्त सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने में पुरुषो का सहयोग सुनिश्चित करने हेतु शुरू हुए विशेष जागरूकता अभियान ÷ में हूं अभिमन्यु÷ का शुभारंभ जिला भिंड में किया गया,इस क्रम में दिनांक 13/06/2023 को एमजेएस कॉलेज जिला भिंड परिसर में नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री निशा रेड्डी ,उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा शाखा जिला भिंड श्रीमती पूनम थापा शर्मा , एनसीसी अधिकारी महिला वर्ग श्रीमती प्रभा तिवारी एवम खेल विभाग के अधिकारी संजय पंकज के नेतृत्व में बच्चो एवं उनके परिजनों को महिला एवं बच्चो के विरुद्ध होने वाले अपराधो के प्रति जागरूकता , महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, डायल 100, चाइल्ड लाइन नंबर आदि का प्रचार प्रसार किया, साथ ही कॉलेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया ,रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से लोगो को समाज में महिला वर्ग की पुरुषो के समान भागीदारी का मैसेज दिया गया एवं अभिमन्यु का शेल्फी कट आऊट प्वाइंट लगाया गया,अभिमन्यु अभियान के बारे में जानकारी दी गई।

पूर्णिमा गहलोत का महाराष्ट्र फुटबॉल टीम में चयन

पुष्पाजंली टुडे

पुणे। सीरवी समाज की होनहार प्रतिभा फुटबॉल खिलाड़ी पूर्णिमा गहलोत सुपुत्री थानाराम श्रीमती पेपी देवी सुपौत्री मगराज घीसू बाई।वर्तमान धानोरी,पुणे। मूलनिवासी गांव किरवा,तहसील राणी, पाली का राष्टीय स्तर की नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप महाराष्ट्र की टीम में चयनित।प्रतिभा पूर्णिमा गहलोत वर्तमान बी.बी.ए.सैकिंड ईयर की छात्रा है जो पिछले चार सालों से अथक प्रयासों से व रातदिन कि मेहनत, लगन से आपने कक्षा 12ह्वद्ध में पहला जिला स्तर फिर राज्य स्तर खेला,उसके त्तपचात कॉलेज में जिला स्तर,राज्य स्तर और अब 2ठ्ठस्र में आपकी मेहनत लगन कि बदौलत से आपने इस साल बेहतरीन प्रदर्शन से राज्य स्तरीय

की पश्चिम यूनिवर्सिटी महाराष्ट्र में खेलते हुए आपका चयन महाराष्ट्र की संभावित खिलाड़ियों में चयन हुआ, फिर आपने कोचिंग केम्प में अच्छे प्रदर्शन से आपका महाराष्ट टीम में चयन हुआ। आप टीम में मिड फील्डर के रूप में खेलती है।मिड फील्डर में खेलते हुए बहुत सी टीमों के खिलाड़ियों को जिला स्तर,राज्य स्तरीय व कोचिंग केम्प में बॉल द्वारा चकमा देकर बॉल ज्यादा तर अपने कब्जे में रखना व साथी खिलाड़ियों को पासिंग देना फिर गोल करना आपकी खूबी रही। आपके प्रदर्शन पर आपका चयन होना स्वाभाविक है आपने करके भी दिखाया है जो आज आप महाराष्ट टीम की खिलाड़ी है। चयन भी हुआ,आशा है आपका चयन आने वाले समय मे आपकी बेस्ट परफॉर्मेंस से राष्ट्रीय स्तर की भारत टीम में हो। आपने परिवार, जिला,राज्य के साथ समाज का नाम भी रोशन किया।आप पर समाज को गर्व है।ये जानकारी स्मार्ट बाजार के प्रमुख शंकर काग पुणे के द्वारा दी गई।

गौ सेवा के लिए दान में दिए 44 लाख रुपए. मोतीलाल मुणोत की स्मृति में

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु -दीनेपालिया स्थित अमृतधारा गौशाला में महेंद्र मुणोत सुरक्षा मुणोत हंसराज मुणोत एवं परिजनों ने गो पूजन कर पौधारोपण किया इस अवसर पर विभिन्न गौशालाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे मुणोत ने आए हुए सभी गौशाला के प्रतिनिधियों की सेवा की सराहना करते हुए उन्हें गौ सेवा के लिए सहयोग राशि के चेक वितरित किए. मुणोत ने अपने माता-पिता को श्रद्धा सुमन अर्पित कर अपने वक्तव्य में कहा गौ सेवा हम सब का कर्तव्य है उन्होंने यह भी कहा महात्मा गांधी ने कहा था स्वराज से भी ज्यादा जरूरी है गोवंश की

रक्षा गांधी जी ने यह भी कहा था किसी देश के बारे में इस बात से अनुमान लगाया जा सकता है कि वहां के लोगों का जानवरों के प्रति कैसा व्यवहार है लेकिन वर्तमान में कर्नाटक के पशुपालन मंत्री द्वारा गौ हत्या के पक्ष में दिया हुआ बयान राज्य का दुर्भाग्य है गौ सेवा एवं रक्षा किसी एक समुदाय का नहीं मानव जाति का कर्तव्य है इस अवसर पर अमृतधारा गौशाला के अध्यक्ष शर्मा, संचालक संतोष तिवारी, वाट्स फाउंडेशन के प्रमुख आनंद कृष्णा दास, कृपा लविंग एनिमल्स सेंटर के महेंद्र जैन, गो परिवार के पारस जैन, क्यूपा के डॉक्टर प्रग्नेकर, ध्यान फाउंडेशन के सहाना, एवं रीनू, ओंकार गौशाला के मलिकार्जुन, शिव गोसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के हनुमान माली, मोती लाल माली, सर्वा के अमित, मातेश्वरी भक्त मंडल के गौ भक्त, एवं कामधेनु गौशाला चिकमगलूरु के गौ भक्त, एवं गौतम शर्मा, उपेंद्र कुमार एवं बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित थे इस अवसर पर मुणोत परिवार की तरफ से 44 लाख रुपए की सहयोग राशि के चेक वितरित किए उपस्थित जनों ने गौ माता के जयकारे लगाए जिससे माहौल भक्तिमय हो गया ।

मोदी सरकार के नौ साल, उत्कृष्टता के 9 साल: सांसद चौधरी

पुष्पाजंली टुडे

पाली। देश की सभ्यता और संस्कृति को विश्व में सम्मान दिलाने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। देश में विलुप्त हो रही सभ्यता और संस्कृति को पुनर्जीवित करने का भी उन्होंने बड़ा काम किया है। भाजपा के विभिन्न मोर्चे पार्टी की रीढ़ हैं, जो सामाजिक सामंजस्य को बड़ाते हुए संगठन को सदैव मजबूती प्रदान किए हैं। ये बातें केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर महासंपर्क अभियान के तहत मारवाड़ जंक्शन के रूप रजत विहार में भाजपा विधानसभा मारवाड़ जंक्शन के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन में पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री और पाली सासंद पीपी चौधरी ने अपने संबोधन में मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहीं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पर देश की 140 करोड़ जनता ने भरोसा किया और इस भरोसे ने 2014 से 2023 के नौ वर्षों की कालावधि में देश को शांति, समृद्धि और विकास की गति मिली।

विश्व मंच पर भारत की धमक- सांसद चौधरी ने कहा कि जी-20 समिट ने भारत और पीएम मोदी के नेतृत्व क्षमता पर मुहर लगाई। ऑपरेशन मैत्री और कोविड आपदा में वैक्सीन मैत्री जैसे अभियानों ने भारत की छवि को विश्व पटल पर मजबूत किया। आज भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था है. अगले दो-तीन साल में हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। कश्मीर कभी अशांत और आतंकवाद की चपेट में था। आज वह शांति की नई राह पर

बड़ चुका है। पूर्वोत्तर के राज्य में कभी उग्रवाद चरम पर था, आज उन राज्यों में बीजेपी की सरकार होने से वे विकास और नये विश्वास के साथ आगे बड़ रहे है। विरासत के सम्मान के लिए तमाम कदम उठाए गये हैं. काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या का श्रीराम मंदिर, केदारनाथ मंदिर और महाकाल का पुनरुद्धार पीएम मोदी के नेतृत्व का परिणाम है। नौ साल के कार्यकाल में हर वर्ग को मिला सम्मान- सांसद चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार के नौ साल के उत्कृष्ट कार्यकाल में समाज के हर अंग, हर वर्ग को उसका अधिकार और सम्मान दिया। देश के सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन, देश के किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, युवाओं के लिए मुद्रा योजना, महिलाओं के लिए उज्जवला योजना, हर घर में नल, बिजली कनेक्शन, पक्की छत, फ्री इलाज, नाम मात्र के खर्च में आजीवन बीमा सम्मिलित है। यह क्रांतिकारी कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन और केंद्र सरकार के आमजन के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इसके अलावा यहां पर टिफिन बैठक का भी आयोजन रखा गया जिसमें पाली सांसद चौधरी ने कार्यकर्ताओं के संग भोजन किया। इससे पूर्व सांसद ने वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व सरपंच खारड़ी खीवाराम के घर पर पहुंच उनकी कुशलक्षेम पूछी। खीवाराम जनसंघ के जमाने से सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। सम्मेलन में पूर्व विधायक केसाराम चौधरी, विधानसभा प्रभारी श्रवण बंजारा, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष खीमाराम धारिया, प्रधान मंगलाराम देवासी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिग्विजयसिंह, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष हेमंत गदाणा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोहर कंवर, जिला मंत्री जयवर्धन रांकावत, रेखा जैन, पूर्व प्रधान सुमेरसिंह सहित समस्त मोर्चा एवं मण्डलों के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासकीय दफ्तरों में षड्यंत्रपूर्वक घोटाले संबंधी दस्तावेज नष्ट करने के लिए जानबूझकर आग लगाई जा रही है : डॉ. गोविंद सिंह

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
पुष्पांजली टुडे

भोपाल । विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि भोपाल के शासकीय दफ्तरों में षड़यंत्रपूर्वक घोटाले संबंधी दस्तावेज नष्ट करने के लिए जानबूझकर आग लगायी जा रही है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह के साथ विधायक पीसी शर्मा, सुनील श्रॉफ,फंदेलाल मार्को एवं विधायक मेवाराम जाटव ने सतपुड़ा भवन जाकर लगी आग की वास्तविक स्थिति जानने के लिए दोपहर 2 बजे पहुंचे थे, सुरक्षाकर्मियों ने विधायको को रोक दिया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि घोटालों की फाइल जलाई गई है,और यह षडयंत्र पूर्वक कृत्य किया गया है,फायर बिग्रेड की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं थी।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में भी ऐसी घटनाएं घटित हुई है,वह सभी घटनाएं शंकित है,डॉ सिंह ने कहा कि अभी हाल में घटित हुई घटना और कुछ बर्षों में घटित घटनाएं षडयंत्रपूर्वक है, इन सभी की किसी बड़ी एजेंसी से जांच होना चाहिए,ताकि षडयंत्रकारियों का प्रदेश की जनता के सामने असली चेहरा आ सके।डॉ सिंह ने पूर्व में घटित घटनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि, 11 मार्च 2005 शुक्रवार को सतपुड़ा भवन स्थित वन विभाग के कार्यालय में आग लगी दस्तावेज जलकर खाड़ हो गए। 21 जून 2012 गुरूवार को सतपुड़ा भवन के तकनीकी शिक्षा विभाग में भीषण आग लगी। 01 नवम्बर 2012 गुरूवार को वल्लभ भवन में तकनीकी

विभाग में आग लगी। 25 नवम्बर 2013 सोमवार को मंत्रालय के भीमनगर स्थित गोदाम में आग लग गई जिससे मंत्रालय का दस्तावेज जलकर खाड़ हो गए। 28 नवम्बर 2013 गुरूवार को विंध्याचल भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के स्थापना व बजट सेक्शन में आग लग गई जिससे मनरेगा संबंधी फाइले जलकर खाड़ हो गई। 23 नवम्बर 2014 रविवार को भोपाल कलेक्ट्रेट कार्यालय के रिकार्ड रूम में आग लगी जिससे 10 गांवों का रिकार्ड जलकर खाड़ हो गये। 04 अक्टूबर 2015 रविवार को विध्यांचल भवन स्थित पांचवी मंजिल पर कृषि विभाग में आग लग गई जिससे विधानसभा संबंधी एवं बीज घोटाले संबंधित फाईले जलकर खाड़ हो गई। 07 नवम्बर 2015 को खाद्य विभाग के दफ्तर में भीषण आग। 10 जनवरी 2016 को पीएचई व पीडब्ल्यूडी की पांच हजार फाइले जलकर खाड़ हो गई। 23 मार्च 2016 को वल्लभ भवन की पांचवी मंजिल पर मुख्यमंत्री सचिवालय के एक कक्ष में आग लगी। 24 मार्च 2016 को सीएम ऑफिस के रिकार्ड रूम में आग 5 साल पुरानी फाइले जली। 24 मार्च 2016 को सचिवालय में आग लगने से खाड़ हो गये रिकार्ड। 27 मार्च 2016 को सीएम आफिस में जली फाइलों का ऑडिट भी जलकर खाड़ हो गई। 14 दिसम्बर 2018 को सतपुड़ा भवन में आग लगी थी। 12 जून 2023 को सतपुड़ा भवन 03.30 बजे आग लगी और 6 वीं मंजिल तक आग फैल गई जिसमें नरसिंह घोटाले सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज खाड़ हो गये। फायर बिग्रेड के अधिकतर वाहन अन्य व्यवस्थाओं में लगा दिये गये थे जोकि घटना स्थल पर समय पर नहीं पहुंच पाने पर आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

बनाकांठा के चोथर नेसडा गांव में प्रवेशोत्स्व

पाटन ब्यूरों, दैनिक पुष्पांजली टुडे

वाव/गुजरात। जिला-बनासकांठा में स्कूल प्रवेश उत्सव आयोजित गया था। वाव तालुका के चोथानेसडा प्राथमिक विद्यालय में बालिका शिक्षा महोत्सव व विद्यालय प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। सबसे पहले स्कूल के गेट पर स्कूल स्टाफ और बच्चों ने खुशी खुशी अधिकारियों का स्वागत किया. उसके बाद बैठक में सभी ने व्यवस्था की। रूपरेखा के अनुसार, दीप प्राग्टय किया गया था। स्कूल की छात्राओं ने प्रार्थना की। मेहमानों का स्वागत पगड़ी, शॉल और किताबों से किया गया। इस कार्यक्रम में श्री हरेश कुमार आर चौधरी क्लास 2, प्राचार्य श्री राजकीय माध्यमिक विद्यालय चांगड़ा, बी. एन. परमार सी. आर. सी. पड़ाव आबिद भाई सी,.एच.ओ, राणाभाई (एम. पी. एच. डब्ल्यू,,)। डी,. वी. परमार (जिला पंचायत सदस्य), दुदाजी राजपूत (तालुका पंचायत सदस्य), परागभाई राजपूत (सरपंचश्री), आंगनबाड़ी कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। तत्पश्चात नयनाबेन सेधाभाई द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। स्कूल की छात्रा नयनाबेन सेधा भाई रबारी द्वारा वक्तव्य रजू किया गया उसके बाद चमकते सितारों का सन्मान किया गया।विद्यालय प्राचार्य श्री के के राजपूत द्वारा चर्चा की गई। छोरा भाई रबारी द्वारा लाइक के दर्शन की झांकी करवाई। मुख्य अतिथि के प्रेरक उद्बोधन से विद्यालय के परिसर तालियों के गड़गडडाट से गूंज उठा। विद्यालय के उत्साही शिक्षक श्री जामाजी विहाजी राठौड़ द्वारा तहे दिल से आभार व्यक्त किया गया। इसके बाद पौधे का वृक्षारोपण किया गया था। कार्यालय में एस.एम.सी की बैठक की गई थी ।सभी बच्चे लोग भोजन करके अपने अपने घर चले गए। पूरे दिन सभी को बड़ा आनंद आया था।

क्या टीम इंडिया को फिर विदेशी कोच की जरूरत

कुंबले-शास्त्री के बाद द्रविड़ भी चैंपियन नहीं बना सके; विदेशियों ने जिताईं 3 ICC-ट्रॉफी

फाइनल में टीम इंडिया को 209 रन से हरा दिया है। भारतीय टीम पिछले दस साल में एक भी ढ्ढष्ट ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। आखिरी बार टीम इंडिया ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दर्ज की थी। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने इन 10 सालों में तीनों फॉर्मेट यानी टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में जीत दर्ज की है।

भारत के ढ्ढष्ट टूर्नामेंट में चैम्पियन नहीं बन पाने के पीछे कई सवाल खड़े होते हैं। उन्हीं में से एक सवाल ये भी है कि क्या भारतीय टीम को अब फिर से विदेशी कोच अपॉइंट कर लेना चाहिए। जिनके साथ भारत ने 5 में से 3 ढ्ढष्ट ट्रॉफी जीती थीं। 2013 के बाद भारत ने अनिल कुंबले, रवि शास्त्री और अब राहुल द्रविड़ को भी कोच बनाया, लेकिन किसी ढ्ढष्ट टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिल सकी।

आगे स्टोरी में हम समझेंगे कि भारत ने कब से विदेशी हेड कोच अपॉइंट करना शुरू किया। उनके साथ टीम इंडिया ने कैसा परफॉर्म किया और ढ्ढष्ट टूर्नामेंट्स में भारत की सिचुएशन कैसी रही। साथ ही जानेंगे कि 2013 के बाद से जिन देशों ने ढ्ढष्ट ट्रॉफी उठाई, उनके हेड कोच किस देश के रहे।

1971 में वनडे क्रिकेट की शुरुआत से ही भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच भारतीय ही रहा। केकी तारापूर भारत के पहले कोच थे। 1975 का वनडे वर्ल्ड कप हमने गुलाबराय रामचंद की कोचिंग में खेला। 1979 में कोई हेड कोच नहीं था। दोनों ही बार श्रीनिवास वेंकटराघवन टीम इंडिया के कप्तान थे।

1983 में कपिल देव की कप्तानी में भारत ने वर्ल्ड कप जीता, तब पीआर मान सिंह हेड कोच थे। दोनों ही 1987 वर्ल्ड कप में भी टीम को लीड कर रहे थे। टीम इंडिया ने 1992 और 1996 का वर्ल्ड कप अजीत वाडेकर की कोचिंग में खेला, वहीं 1999 वर्ल्ड कप में कपिल देव को हेड कोच बनाया गया। हालांकि 1971 से 1999 तक हेड कोच का पद नहीं होता था, तब टीम मैनेजर का पद हुआ करता था, जो कोचिंग का काम भी संभालते थे। हेड कोच का पद 2000 से शुरू किया गया।

2000 में पहली बार न्यूजीलैंड के जॉन राइट को हेड कोच बनाया गया, जो टीम इंडिया के पहले विदेशी कोच थे। उनकी कोचिंग में टीम 2000 चैंपियंस ट्रॉफी की रनर-अप रही और 2002 की चैंपियंस ट्रॉफी जीती। हालांकि तब भारत श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता रहा था। 2003 में टीम इंडिया ने 20 साल बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला और रनर-अप रहे। 2004 की चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में हम नहीं पहुंच सके।

राइट के बाद ऑस्ट्रेलिया के ग्रेग चैपल को कोच बनाया गया। उन्होंने टीम में बहुत बदलाव किए और टीम 2007 वनडे वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई। 2006 के दौरान भारत में हुई चैंपियंस ट्रॉफी भी हम जीत नहीं सके।

2007 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के दौरान लालचंद राजपूत टीम के कोच रहे, लेकिन फुल टाइम कोच नहीं बन सके। चैपल के बाद साउथ अफ्रीका के गैरी कर्स्टन को कोच बनाया गया। उनकी कोचिंग में हम 2009 की चैंपियंस ट्रॉफी के साथ 2009 और 2010 का टी-20 वर्ल्ड कप नहीं जीत सके, लेकिन 2011 में 28 साल बाद वनडे वर्ल्ड कप जीता। 2011 में कर्स्टन का कोचिंग पीरियड खत्म हुआ।

2015 तक जिम्बाब्वे के डंकन फ्लेचर टीम इंडिया के हेड कोच रहे। उनकी कोचिंग के दौरान टीम 2012 टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में बाहर हो गई, लेकिन 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बाद 2014 के टी-20 वर्ल्ड कप में रनर-अप रही। हालांकि 2015 के वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारकर बाहर हो गई। 2015 वर्ल्ड कप के बाद 2016 तक रवि शास्त्री को टीम इंडिया के मैनेजर का रोल मिला। शास्त्री के साथ टीम इंडिया 2016 के टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल तक पहुंची। 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान अनिल कुंबले भारत के हेड कोच थे, तब हम पाकिस्तान से फाइनल हार गए थे।

2018 में रवि शास्त्री को हेड कोच का पद दिया गया। तब टीम ने ऑस्ट्रेलिया में 2 बार टेस्ट सीरीज जीती। साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट जीते और इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। 2019 के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गई। टीम ने 2021 में वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेला, लेकिन हम फिर से न्यूजीलैंड के खिलाफ ही हारकर ट्रॉफी नहीं जीत सके। 2021 के ही टी-20 वर्ल्ड कप में तो टीम ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी।

2022 में राहुल द्रविड़ को कोच बनाया गया, उन्हें रोहित शर्मा के रूप में नए कप्तान का साथ मिला। दोनों की लीडरशिप में टीम एशिया कप फाइनल में नहीं पहुंच सकी। टीम 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भी इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से हारकर बाहर हो गई। अब जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल मुकाबला भी हार गए।

2013 के बाद से ढ्ढष्ट ने 9 टूर्नामेंट आयोजित कराए। टीम इंडिया इनमें से एक भी नहीं जीत सकी, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 3 खिताब जीते। तीनों बार हेड कोच उन्हीं के देश के रहे, इसके अलावा भी 3 बार ऑस्ट्रेलियन कोच के साथ ही दूसरी टीमों ने ट्रॉफी जीती। 2019 और 2022 में इंग्लैंड ने टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप तो वहीं 2017 में पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी ऑस्ट्रेलियन कोच के साथ जीती। 2016 में वेस्टइंडीज ने अपने ही देश के फिल सिमंस की कोचिंग में टी-20 वर्ल्ड कप जीता, वहीं 2021 में न्यूजीलैंड ने भी अपने ही देश के गैरी स्टेड की कोचिंग में वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप जीती। 2014 में श्रीलंका ने इंग्लिश हेड कोच के साथ टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। यानी पिछले 10 सालों में विदेशी और देसी दोनों कोच ढ्ढष्ट टूर्नामेंट में सफल रहे, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई कोच कुछ ज्यादा ही सफल रहे।

इसी साल अक्टूबर-नवंबर के दौरान भारत में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा। उससे पहले 50 ओवर का एशिया कप भी होगा। भारत को एक अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताने और 2 बार रनर-अप बनाने वाले कोच राहुल द्रविड़ अगर इनमें भी फेल रहे तो टीम इंडिया को विदेशी कोच अपॉइंट करने पर विचार जरूर करना चाहिए, क्योंकि टीम इंडिया ने 5 में से 3 ढ्ढष्ट ट्रॉफी विदेशी हेड कोच की मौजूदगी में ही जीती है। टीम इंडिया के पूर्व सिलेक्टर संजय जगदाले ने विदेशी कोच और भारतीय कप्तान के कॉम्बिनेशन पर कहा कि ये बिल्कुल ही बेबुनियाद सा तर्क है कि कोच के होने से टीम के ट्रॉफी जीतने पर बहुत ज्यादा फर्क पड़ जाता है। भारतीय कोच के साथ भी टीम ने मैच जीते, बस ट्रॉफी जीतने से कुछ कदम ही दूर रह गए। हालांकि जॉन राइट के रूप में भारत ने पहली बार विदेशी कोच चुना था और उन्होंने ही टीम में युवा खिलाड़ियों, यूनिटी और फिटनेस का महत्व बताया। उन्होंने ही कप्तान सौरव गांगुली के साथ मिलकर टीम इंडिया के खेलने का नजरिया बदला, लेकिन वही नजरिया आज के कोच भी अपनाने लगे हैं। अब टीम को ट्रॉफी जिताने की जिम्मेदारी कप्तान पर ज्यादा होती है। टीम इंडिया ढ्ढष्ट फाइनल और ज्यादातर ढ्ढष्ट ट्रॉफी विदेशी मैदानों पर कमजोर बैटिंग टेकनीक के कारण हारी। टीम को अब ट्रॉफी जीतने के लिए नई टीम बनाने पर फोकस करना चाहिए। रोहित शर्मा, जो खुद टेस्ट टीम में पिछले 2-3 सालों में ठीक से जगह बना सके, उन्हें इस फॉर्मेट का कप्तान नहीं होना चाहिए।

हॉकी एशिया कप फाइनल में चमकी जींद की अन्नू

डबल हैट्रिक के साथ टॉप गोल स्कोरर का अवॉर्ड; प्रधान मंत्री मोदी ने दी बधाई

जींद। जापान में हुए महिला जूनियर हॉकी एशिया कप में टीम इंडिया ने इतिहास रचते हुए 12 साल बाद गोल्ड मेडल जीत कर एशिया कप ट्रॉफी अपने नाम की है। टीम की जीत पर पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर खुशी जाहिर की तो वहीं डबल हैट्रिक करने वाली जींद जिले के छोटे से गांव रोज खेड़ा की अन्नू को टॉप गोल स्कोरर का अवॉर्ड मिला है।

इंडिया हॉकी टीम का पहला मुकाबला उज्बेकिस्तान के साथ हुआ था, जिसमें इंडिया ने उज्बेकिस्तान को 22-0 से हराया। इसमें अन्नू ने डबल हैट्रिक मारते हुए 6 गोल दागे थे। इसके बाद मलेशिया के साथ मुकाबले में टीम इंडिया 2-1 से जीती, कोरिया के साथ मैच 2-2 अंकों के साथ ड्रा रहा और टीम को एक-एक पॉइंट मिला। उससे अगले मैच में ताइवान को 11-0 से हराया और ग्रुप ए में टॉप पर टीम रही।

उसके बाद सेमीफाइनल मुकाबले में जापान को 1-0 से हराया, जिसमें अन्नू रोजखेड़ा बेस्ट प्लेयर रही। वर्ल्ड कप क्वालीफाई करने के बाद साउथ कोरिया के साथ फाइनल मुकाबला हुआ, जिसमें टीम इंडिया 2-1 से विजयी रही। इसमें एक गोल अन्नू ने और दूसरा गोल नीलम ने दागा और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका हासिल की। हॉकी इंडिया ने 2012 के बाद अब इतिहास रचते हुए एशिया कप पर कब्जा हासिल किया है। उचाना ब्लॉक के छोटे से गांव रोजखेड़ा की अन्नू एशिया कप टूर्नामेंट में टॉप गोल स्कोर रही। गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली अन्नू का तीसरी कक्षा में ही प्ले फॉर इंडिया के जरिए चयन हुआ। तीसरी से पांचवीं तक अन्नू ने सिरसा में रहते पढ़ाई की और साथ ही हॉकी को चूना। इसके बाद अन्नू का चयन हिसार स्थित साई में हो गया, जहां से अन्नू ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। लगातार उपलब्धियों को छूते हुए पहले हरियाणा जूनियर की कप्तान बनी, उसके बाद 3 नेशनल खेले और अब राष्ट्रीय जूनियर हॉकी टीम में अन्नू खेल रही है। अन्नू के भाई अमन ने बताया कि वह और परिवार के लोग उसे रेसर बनाना चाहते थे, लेकिन उसने हॉकी को चुना और आज वह अपनी स्टिक से बॉल को ऐसे घूमाती है कि देखने वाला का सिर घूम जाता है। अमन ने बताया कि उनके गांव में खेल की कोई सुविधा नहीं है, इसलिए उन्होंने अन्नू को सिरसा भेजा ताकि वह खेलों में अपना भविष्य बना सके। अन्नू की रेस की बजाय हॉकी में ज्यादा रुचि देखी तो उन्होंने हॉकी में ही अपना भविष्य बनाने दिया।

जोकोविच सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले टेनिस स्टार

पेरिस। जोकोविच ने कैस्पर रूड को सीधे सेटों में हराया। यह मुकाबला 3 घंटे 13 मिनट तक चला। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने तीसरी बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीत लिया है। 36 साल के इस स्टार ने नॉर्वे के कैस्पर रूड को मेंस सिंगल्स के फाइनल में 7-6, 6-3, 7-5 से हराया। वे 7वीं बार फाइनल मुकाबला खेल रहे थे।

जोकोविच का यह 23वां ग्रैंड स्लैम टाइटल है। उन्होंने राफेल नडाल के 22 टाइटल के खिताब को पीछे छोड़ा है। वे मेंस टेनिस में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी बने हैं।

जोकोविच फ्रेंच ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने 36 साल 20 दिन की उम्र में यह कारनामा किया है। जोकोविच ने राफेल नडाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। राफेल ने पिछले साल 36 साल 2 दिन की उम्र में यह खिताब जीता था।

जोकोविच ने लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम भी जीता है। उन्होंने जनवरी महीने में ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। तब जोकोविच ने ग्रीस के स्टेफनोस सितसिपास को लगातार सेट में 6-3, 7-6, 7-6 से हराया था। जोकोविच ने तीसरी बार फ्रेंच ओपन जीता है। उन्होंने सबसे ज्यादा 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 7 विंबलडन और 3 स ओपन टाइटल अपने नाम किए हैं। जोकोविच साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम में तीसरी बार चैम्पियन बने हैं। उन्होंने 2 साल पहले 2021 के सीजन में रेड कोर्ट का यह खिताब जीता था। उन्होंने पहला फ्रेंच ओपन 2016 में अपने नाम किया था। जोकोविच को यह खिताब जीतने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। 3 घंटे 16 मिनट चले इस मुकाबले में दोनों फाइनलिस्ट के बीच गजब का कॉन्टेस्ट देखने को मिला। यह मुकाबला 7-6 के स्कोर तक गया। उसके बाद टाइ ब्रेकर में जोकोविच ने अपना सेट जीतते हुए मुकाबले में 1-0 की बढ़त ली।

डब्ल्यूटीसी में हार के साथ ही कई खिलाड़ियों के करियर पर संकट के बादल

नईदिल्ली, 12 जून। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में हारकर भारतीय टीम ने अपने फैंस को निराश कर दिया है। सबको इस बार फाइनल में जीत की उम्मीद थी, लेकिन दूसरी बार भी टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा है। पिछली बार न्यूजीलैंड और इस बार ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम का सपना तोड़ दिया है। ऐसे में इस हार के साथ ही कई खिलाड़ियों की टीम से छुट्टी भी हो सकती है। रिपाटर्स के अनुसार ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भारत के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में 209 रन की बड़ी जीत हासिल की है। लेकिन इस जीत के साथ ही कई भारतीय खिलाड़ी अब मेनेजमेंट के निशाने पर है। इन खिलाडियों में सबसे पहला नाम उमेश यादव का है, इस मैच में उन्होंने 2 विकेट लिए है इस प्रदर्शन के बाद उनका बाहर जाना तय है। इसके साथ ही स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा भी बुरी तरह से फ्लॉप रहे। पहली पारी में 14 तो दूसरी में उन्होंने 27 रन बनाए।

वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच पहला मुकाबला होगा 5 अक्टूबर को!

नईदिल्ली। वनडे विश्व कप की मेजबानी इस बार भारत करने जा रहा है और इस बार विश्वकप के मुकाबले अक्टूबर-नवंबर में भारत में खेले जाने है। मीडिया रिपोटर्स की माने तो विश्व का पहला मैच 5 अक्टूबर को खेला जाएगा और फाइनल 19 नवंबर को खेला जाएगा। ये दोनों ही मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

इसके साथ ही इस विश्व कप में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला भी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही खेला जाना है। खबरों की माने तो भारत और पाकिस्तान के बीच पहला मैच 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। इस दौरान मैदानद में कॉफी तादाद में फैंस पहुंच सकते है। खबरों की माने तो बीसीसीआई ने टूर्नामेंट का शेड्यूल आईसीसी के साथ साझा किया है।

खबरे तो यह भी है की सेमीफाइनल के वेन्यू अब तक तय नहीं किए गए हैं, लेकिन बताया जा रहा है की इस सप्ताह के अंत तक बीसीसीआई की और से विश्व कप का पूरा शेड्यूल सामने आ जाएगा।

14 जून को खाप पंचायतों का हरियाणा बंद:

बृजभूषण की गिरफ्तारी मांगी; रोड-रेल, फल-सब्जी सप्लाई बंद करेंगे; पुलिस ने यौन शोषण के सबूत मांगे

पानीपत। दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती संघ (ङ्खस्नढ्ढ) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर आरोप लगाने वाली 2 महिला पहलवानों से यौन शोषण के फोटो और ऑडियो-वीडियो सबूत मांगे हैं। दिल्ली पुलिस को इस केस में 15 जून तक कोर्ट में चार्जशीट पेश करनी है। वहीं रविवार को खाप प्रतिनिधियों की जनता संसद ने 14 जून को हरियाणा बंद का ऐलान कर दिया है। इस दौरान हरियाणा में रोड व ट्रेनों के अलावा दिल्ली को दूध-सब्जी की सप्लाई भी बंद कर दी जाएगी। उन्होंने बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग की है। (बृजभूषण पर 2 स्नढ्ढक्र दर्ज हैं। एक केस बालिग महिला पहलवानों की शिकायत पर है। जिसमें बृजभूषण पर छेड़छाड़ से लेकर जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश के आरोप हैं। दूसरा केस नाबालिग पहलवान की शिकायत पर है। जो पहले क्कह्रष्टस्ह्र एक्ट के तहत दर्ज हुआ था। अब नाबालिग पहलवान व उसके पिता ने यौन शोषण के बयान वापस लेकर सिर्फ भेदभाव की बात

कही है। दलाल खाप और भारत भूमि बचाओ संघर्ष कमेटी ने 25 मांगों का प्रस्ताव पास किया है। कुंडली-मानेसर-पलवल (ञ्जरूक्क) एक्सप्रेसवे पर मांडोठी टोल प्लाजा पर हुई जनता संसद में हरियाणा के अलावा दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के खाप चौधरी पहुंचे। दलाल खाप-84 के प्रधान भूप सिंह दलाल की अगुआई वाली इस जनता संसद में पालम 360 के प्रधान सुरेंद्र सिंह सोलंकी, राजस्थान से दिलीप सिंह छिपी, पंजाब से बलबीर सिंह और गुजरात से नारायण भाई चौधरी शामिल हुए। उनकी मांगों में सूरजमुखी पर रूस्क्क जमीन एक्वायर करने पर मार्केट रेट से 4 गुना मुआवजा, किसानों की कर्जमाफी जैसे मुद्दे भी शामिल हैं। रेसलर्स के यौन शोषण के आरोप से घिरे बृजभूषण ने गोंडा में शक्ति प्रदर्शन किया। यहां बृजभूषण ने 35द्मरू लंबा रोड शो निकाला। इसके बाद रैली के मंच से बृजभूषण शरण सिंह ने पहले कहा, ÷होइहि सोइ जो राम रचि राखा। को करि तर्क बढ़ावै साखा (जो कुछ राम ने रच रखा है, वही होगा। तर्क करके कौन बात को बढ़ाए)। इसके बाद उन्होंने शायरी भी सुनाई। %%कभी अश्क-कभी गम और कभी जहर पिया जाता है, तब यह मिला मुझको मोहब्बत का सिला, बेवफा कहके मेरा नाम लिया जाता है, इसको रुसवाई कहें या शोहरत, अपने दबे होठों से मेरा नाम लिया जाता है, कभी-कभी अपने आप से सवाल करने लगते हैं, जब-जब सरसरी नजर से सवाल करते हैं, तो गंभीर चीजों को नकार देते हैं।

सत्यप्रेम की कथा का नया गाना आज के बाद रिलीज

सत्यप्रेम की कथा के निमार्ताओं ने कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी पर आधारित आज के बाद नामक एक नया गाना रिलीज किया है। गाने को आईकॉनिक बड़ौदा पैलेस में शूट किया गया है। गाने को मनन भारद्वाज और तुलसी कुमार ने गाया है। वहीं आज के बाद के संगीत और भावपूर्ण गीत मनन भारद्वाज द्वारा दिए गए हैं। दिल को छू लेने वाली रोमांटिक धुन के साथ, यह गाना कार्तिक और कियारा की धमाकेदार केमिस्ट्री की झलक देता है।सत्यप्रेम की कथा के लिए एनजीई और नम- पिक्चर्स ने हाथ मिलाया है। साजिद नाडियाडवाला और शरीन मंत्री केडिया ने किशोर अरोडा और निर्देशक समीर विदवान्स के साथ अपनी संबंधित फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। सत्यप्रेम की कथा 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ये करते हैं जज रैप सॉन्ग समाज के दोहरे मानकों की बात करता हैं: शर्लिन चोपड़ा

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा का कहना है कि उनका रैप सॉन्ग ये करते हैं जज समाज के दोहरे मानकों के बारे में बहुत कुछ बताता है। कहा जाता है कि यह गाना निरंतर और लगातार कड़े निर्णय पर आधारित है, जो एक्ट्रेस को अपने अपरंपरागत करियर और जीवन विकल्पों के कारण झेलना पड़ा है।यह पूछे जाने पर कि क्या उनका रैप सॉन्ग कोई चौंकाने वाला खुलासा करेगा, 34 वर्षीय एक्ट्रेस ने जवाब दिया, यह आपको पता लगाना है! मेरा अपकमिंग रैप सॉन्ग हमारे समाज के दोहरे मानकों के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह आसान नहीं है। खुद पर विश्वास करना आसान नहीं है। मेरे रैप म्यूजिक वीडियो का मूल खुद पर विश्वास के साथ जीवन को बेहतरीन बनाने पर आधारित है। रैप गाने के बारे में जानकारी साझा करते हुए, शर्लिन कहती हैं, रैप गाना जिसे मुंबई के बाहरी इलाके में शूट किया गया है, स्पीड और स्वैग के साथ मुझे यकीन है कि यह युवाओं द्वारा बेहद पसंद किया जाने वाला है।मैंने रैप सॉन्ग और इसके म्यूजिक वीडियो में अपना दिल और आत्मा झोंक दी है! मैं इस रैप सॉन्ग के लिए फिट रहने के लिए वर्कआउट रूटीन का पालन कर रही हूं।

मस्तराम फेम केनिशा अवस्थी के बोल्ड लुक ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

मस्तराम वेब सीरीज में इंटिमेट सीन्स का तड़का लगाने वाली एक्ट्रेस केनिशा अवस्थी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरों के कारण लाइमलाइट में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपने लुक्स फैंस के बीच शेयर करती हैं तो लोगों की आखें खुली की खुली रह जाती हैं। हाल ही में केनिशा अवस्थी ने अपने बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस केनिशा अवस्थी हमेशा अपनी बोल्डनेस और सेक्सी अंदाज के कराण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस केनिशा अवस्थी की फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगी हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर की ब्रालेट और डेनिम शॉर्ट्स पहना हुआ है। केनिशा अवस्थी अपने इस लुक में परफेक्ट टोंड बॉडी फ्लॉन्ट करते हुए बेहद ही सेक्सी पोज देती हुई नजर आ रही हैं। अपने बालों को स्टाइलिश लुक में बांध कर और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बताते चले कि एक्ट्रेस केनिशा अवस्थी जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर कॉमेंट्स और लाइक्स करते हैं। एक्ट्रेस केनिशा अवस्थी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो पहली बार हंसमुख वेब सीरीज में नजर आई थीं। इसके बाद केनिशा एमएक्स प्लेयर की सबसे बोल्ड सीरीज मस्तराम में दिखाई दी।

छोटा सा किरदार भी छू जाता है दिल को

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री राजेश्वरी सचदेव बहुमुखी प्रतिभा की धनी कलाकार हैं। वह अभिनेत्री, गायक, नृत्यांगना के साथ ही कार्यक्रम संचालक भी हैं। बचपन में 'सफेद कुंडली' नाटक में भीड़ का हिस्सा नजर आने वाली राजेश्वरी सचदेव ने सोलह साल की उम्र में मराठी फिल्म 'अयात्या घरात घरोबा' में नायिका बनकर आयी थीं। फिर 18 वर्ष की उम्र में श्याम बेनेगल की फिल्म 'सूरज का सातवा घोड़ा' में अभिनय कर हंगामा बरपा दिया था। फिर श्याम बेनगल निर्देशित फिल्म 'सरदारी बेगम' में सकीना का किरदार निभाकर सर्वश्रेष्ठ सह कलाकार के राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर राजेश्वरी ने अपनी अभिनय क्षमता जता दी थी। अब तक 32 साल के अपने कैरियर में राजेश्वरी सचदेव उत्कृष्ट निर्देशकों व कलाकारों के साथ लगभग चालीस फिल्मों और 14 टीवी सीरियलों में अभिनय कर चुकी हैं।

हाल ही में उनकी फिल्म 'चिड़ियाखाना' प्रदर्शित हुई है,जिसमें वे बिहारी सिंगल मदर बिभा के किरदार

फिर याद आई मधुबाला की

आज भी सुंदरता की किसी भी चर्चा में बीते दौर की अभिनेत्री मधुबाला का नाम स्वाभाविक तौर पर लिया जाता है। वैसे आज यह चर्चा काफी बेमानी हो चुकी है जबकि पुराने दौर में कई फिल्म पत्रिकाएं बहुत जोर-शोर से ऐसी चर्चा आयोजित करती थीं। तब मधुबाला को ही सर्वसम्मति से सबसे ज्यादा सुंदर कहा जाता था। तब से अब तक मीना कुमारी,वहीदा रहमान, वैजयंती माला,नर्गिस,पद्मिनी,गीता बाली आदि तारिकाओं का नाम भी सम्मानजनक ढंग से लिया जाता रहा है। क्योंकि मधुबाला के सौंदर्य के सामने भी इन तारिकाओं का एक अलग वजूद था। बावजूद इसके मधुबाला हमेशा अद्वितीय रही। अजय देवगन उन चंद हीरो में से हैं,जिनके पास फिल्मों का अभाव कभी नहीं रहता। गत दिनों उन्होंने तब्बू के साथ नीरज पांडे की फिल्म %औरों में कहां दम था% की काफी शटिंग की। उनकी एक महत्वाकांक्षी फिल्म %मैदान% जल्द आ रही है। इसके अलावा रोहित शेट्टी की %सिंघम-3% की शूटिंग भी जल्द शुरू होगी।

बिहार की प्रियांका बनी मेमसाब नं0 1 बतौर अभिनेत्री जल्द रिलीज होगी फिल्म 'द ग्रेट माउंटेन'

बिहार में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है. ऐसी ही एक आम लड़की प्रियंका गिरि ने जब बिहार के आरा अपने घर की देहरी लांघी, तो सीधा मेमसाब नंबर वन की विनर बनकर उभरीं. यह खिताब उन्हें पटना में 26 मार्च को एक निजी चैनल के चर्चित शो के ग्रांड फिनाले में हासिल हुआ. प्रियंका उन गृहिणियों के लिए प्रेरणा बन गईं, जो शादी और मां बनने के बाद घर के

काम-काज में ही अपना पूरा जीवन खपा देती हैं और जिंदगी को सीमित कर हार मान बैठती हैं.

फिल्म में मिला मौका-चंदन चौबे से बात करते हुए प्रियंका ने बताया कि मिथिला के राजा शैलेश के जीवन पर पांच भाषाओं में बनी उनकी फिल्म 'द ग्रेट माउंटेन' जल्द रिलीज होनेवाली है. फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है. इसमें वह मुख्य अभिनेत्री की भूमिका निभाई हैं. उनका कहना है कि यह फिल्म हिंदी और मैथिली के अलावा तीन अन्य भाषाओं में रिलीज होगी. इसमें चार बहनों में मंझली बहन की किरदार निभाई हैं. यह बाहुबली की तरह क्रोमोशूट फिल्म है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आएगी. इसमें वह एक गाने में कोरियोग्राफर भी बनी हैं. प्रियंका का मायके बिहार के सासाराम स्थित बिक्रमगंज में हैं. वह साधारण किसान शंकर दयाल शर्मा की बेटी हैं. उनके पति हरेकृष्ण गिरि मध्य प्रदेश में बिरला कंपनी में कार्यरत हैं. एक पुत्र पुष्कर 12 साल का है.

बाधाओं को नजरअंदाज कर मंजिल छूने की ललक-प्रियंका कहती हैं कि उनके जीवन में भी बहुत बाधाएं आयीं. ऐसा लगा कि घर की परिधि में ही घूमती रह जाएंगी. लेकिन एक संकल्प लिया और सभी बाधाओं को नजरअंदाज कर आगे बढ़ती गई. वह संदेश देती हैं कि मन की इच्छा नहीं मारें. आत्मबल के साथ कोशिश करें, तो मंजिल छूने की ललक जरूर पूरी होगी.

डासिंग स्टार बन सुर्खियों में आयीं-वर्ष 2017 में वह रांची में द डांसिंग स्टार का सम्मान ले चुकी हैं. वर्ष 2018 के दिसंबर में एक निजी चैनल के रियलिटी शो डांस घमासान की विजेता बनने के बाद प्रियंका गिरि झारखंड-बिहार में पूरी तरह चर्चा में आ गईं. उनकी पहली एलबम 2019 में 'हरियाणा की छोरी' ने खूब धमाल मचाया.

गरीब और अनाथ बच्चों को दे चुकी हैं तालीम-हजारीबाग में प्रिंसेस डांस एकेडेमी एंड फिटनेस सेंटर संचालित कर प्रियंका सैकड़ों अनाथ और गरीब बच्चों को निःशुल्क कला और फिटनेस का गुर सिखा चुकी हैं. वह लैक्मे फैशन वीक में बतौर फैशन डिजाइनर जलवा बिखेरनेवाली तविशी बख्शी को भी इस सेंटर में तालीम दे चुकी हैं.

हिन्दी सीने जगत में कुछ कर दिखाने की तमन्ना-प्रियंका नृत्य की कई विधाओं में निपुण तो हैं ही, बेहतर कोरियोग्राफर, उत्कृष्ट स्क्रिप्ट राइटर और अभिनय के क्षेत्र में भी तेजी से उभरती हुई कलाकार भी हैं. उन्हें भोजपुरी फिल्मों में बतौर कोरियोग्राफर और अभिनेत्री कार्य करने के कई बड़े ऑफर आए, लेकिन उनकी तमन्ना हिन्दी सीने जगत में कुछ कर दिखाने की है और अपने इसी सपने को साकार करने में फिलहाल वो जुटी हैं.

रणबीर कपूर की एनिमल का प्री-टीजर जारी, एक्शन अवतार में नजर आए अभिनेता

रणबीर कपूर पिछले काफी समय से अपनी फिल्म एनिमल को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है, जिसमें रणबीर का एकदम अलग अवतार देखने को मिलेगा। फिल्म से अभिनेता का पहला लुक सामने आने के बाद से ही प्रशंसकों में इसको लेकर उत्सुकता थी। ऐसे में अब संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्री-टीजर जारी हो गया है, जो एक्शन से भरपूर है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने रणबीर की एनिमल का प्री-टीजर ट्विटर पर साझा किया है। प्री-टीजर की शुरुआत चेहरे पर मास्क और हाथ में कुल्हाड़ी लिए लोगों के साथ होती है, जिसके बाद पंजाबी गाना बजता है और रणबीर उनकी ओर आते हुए दिखाई देते हैं। इसके बाद बड़े बाल, दाढ़ी, सफेद कुर्ता और लुंगी पहने अभिनेता जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आते हैं, वहीं पंजाबी गाना इसे और भी शानदार बना रहा है। एनिमल एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो कबीर सिंह के बाद संदीप के निर्देशन में बनी उनकी दूसरी हिंदी फिल्म होगी। एनिमल को भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी की सिने1 स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स के तहत बनाया जा रहा है। इसमें रणबीर के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी तो अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी और बॉबी देओल भी शामिल हैं। फिल्म 11 अगस्त को हिंदी सहित तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम में रिलीज होगी। एनिमल की कहानी को लेकर अभी निर्माताओं की ओर से ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। रणबीर ने फिल्म के बारे में कहा था, यह मेरे लिए एक नया क्षेत्र है। यह क्राइम-ड्रामा और बाप-बेटे की कहानी है। यह कुछ ऐसा है, जिसकी दर्शकों ने मुझसे उम्मीद नहीं की होगी। मेरी किरदार ग्रे शेड है। बॉक्स ऑफिस पर अगस्त के दूसरे हफ्ते में 3 फिल्मों के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिलेगी। एक ओर रणबीर की एनिमल रिलीज होगी तो अक्षय कुमार अपनी ओह माय गॉड 2 उसी दिन लेकर आ रहे हैं, जिसका ऐलान हाल ही में हुआ था। इसके अलावा, सनी देओल की गदर 2 भी 11 अगस्त को ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ऐसे में देखना होगा कि कौन सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाने में सफल रहती है। रणबीर एनिमल के बाद अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र के दूसरे और तीसरे भाग में नजर आएंगे।

सुदीप्तो सेन करेंगे सुब्रत रॉय की बायोपिक का निर्देशन, सहाराश्री का पहला लुक आया सामने

सुदीप्तो सेन पिछले कुछ समय से अपनी फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जो अपनी रिलीज के 5 हफ्ते बाद भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। अब निर्देशक ने सहारा इंडिया परिवार के संस्थापक सुब्रत रॉय पर बायोपिक बनाने की घोषणा कर दी है। सहाराश्री नाम की इस फिल्म का पहला लुक जारी कर दिया गया है। हालांकि, अभी फिल्म में मुख्य अभिनेता कौन होगा, इसका ऐलान नहीं हुआ है। 10 जून को बिजनेस टाइकून रॉय के जन्मदिन के मौके पर निर्माता संदीप सिंह और डॉ. जयंतीलाल गडा ने सहाराश्री के लिए निर्देशक सेन के साथ हाथ मिलाया है। इस बायोपिक में रॉय के जीवन के हर पहलू से लोगों को रूबरू कराया जाएगा। इसमें उनके एक मामूली शख्स रहते हुए संघर्ष करने से लेकर भारत के सबसे प्रभावशाली और गतिशील व्यक्ति बनने की दास्तां को दिखाया जाएगा, जिसके बारे में हर कोई जानता है। पेन इंडिया लिमिटेड ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर फिल्म का फर्स्ट लुक साझा किया है। इस 36 सेकंड के वीडियो में एक व्यक्ति हाथ में रॉय द्वारा हस्ताक्षर किए भारत के लोगों के लिए 25 हजार करोड़ के चेक को लिए खड़ा है। व्हाइट शर्ट, टाई पर सहारा का लेबल और ब्लू ब्लेजर पर भारत का झंडा लगाए इस व्यक्ति के चेहरे को वीडियो में नहीं दिखाया गया, वहीं उनके पीछे हजारों लोगों की भीड़ नजर आ रही है। सहाराश्री की शूटिंग महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, कोलकाता और लंदन में की जाएगी, वहीं इसे अलगे साल तक लाने की योजना है। यह फिल्म पैन इंडिया होगी और हिंदी के साथ ही बंगाली, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिल्म को संगीत एआर रहमान देंगे तो गुलजार बोल लिखेंगे। इसे ऋषि विरमानी, सेन और सिंह ने लिखा है। सहाराश्री लीजेंड स्टूडियोज और डॉ. गडा के पेन स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत तो सिंह और समखान द्वारा निर्मित है। फिल्म को लेकर निर्देशक का कहना है कि बायोपिक को बनाना किसी भी फिल्म निर्माता के लिए कभी भी आसान नहीं रहा है। उन्होंने कहा, बायोपिक का निर्देशन फिल्म निर्माता के लिए हमेशा एक चुनौतीपूर्ण काम होता है। फिल्म के लिए रहमान, गुलजार, सिंह और डॉ. गडा का एक साथ होना ही बहुत बड़ी बात है। इस सबके बीच रॉय की भूमिका निभाने के लिए एक बड़े सितारे के बारे में विचार हो रहा है, जिसका ऐलान जल्द ही होगा। 2020 की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि सहारा समूह की कंपनियों ने सेबी कानूनों का उल्लंघन किया और अवैध रूप से 3.5 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाए। कंपनियों ने कहा था कि उन लाखों भारतीयों से ये नकदी जुटाई गई जो बैंकिंग सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते थे।

सिने सिनेमा

जरा हटके जरा बचके ने पकड़ी रफ्तार, बाकी फिल्मों की कमाई में भी उछाल

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों जरा हटके जरा बचके का शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। फिल्म ने पहले हफ्ते में अच्छी कमाई की तो अब दूसरे हफ्ते में इसने रफ्तार पकड़ ली है। इसके अलावा, द केरल स्टोरी और स्पाइडर मैन- अक्रॉस द स्पाइडर वर्स की कमाई में भी वीकेंड पर बढ़त देखने को मिली है, वहीं इस हफ्ते रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म ट्रांसफॉर्मर्स- राइज ऑफ द बीस्ट इन्हें टक्कर दे रही है।लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी जरा हटके जरा बचके एक फैमिली ड्रामा है, जो 2 जून को रिलीज हुई थी। फिल्म ने शुक्रवार को 3.42 करोड़ रुपये कमाए थे तो अब शनिवार को कलेक्शन बढ़ा है और अब यह जल्द 50 करोड़ के क्लब में भी शामिल हो जाएगी।रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 9वें दिन 5.76 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है और अब इसकी कुल कमाई 46.53 करोड़ रुपये हो गई है। जरा हटके जरा बचके में सारा अली खान और विक्की कौशल की जोड़ी को पहली बार देखा गया है। फिल्म में दोनों ने इंदौर के एक मिडिल क्लास कपल, कपिल और सौम्या का किरदार निभाया है, जो अपने बड़े परिवार के साथ छोटे से घर में रहते हैं। ऐसे में दोनों साथ में समय नहीं बिता पाते और इसी के चलते तलाक लेने का फैसला लेते हैं ताकि सरकारी आवास योजना का लाभ उठाकर उन्हें शहर में घर मिल जाए। ट्रांसफॉर्मर्स फ्रेंचाइजी की नई फिल्म ट्रांसफॉर्मर्स- राइज ऑफ द बीस्ट ने 8 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म ने पहले दिन 4.4 करोड़ के साथ अपनी शुरुआत की थी तो दूसरे दिन इसका कलेक्शन 4.89 करोड़ रुपये रहा था, वहीं अब तीसरे दिन इसकी कमाई में इजाफा देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने शनिवार को 6.50 करोड़ रुपये कमाए हैं और ऐसे में तीन दिन में इसका कलेक्शन 15.79 करोड़ रुपये हो गया है।

गिप्पी ग्रेवाल ने बताया क्यों कैरी ऑन जट्टा 3 को देखते हैं पैन इंडिया की तरह

पंजाबी गायक और अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल इन दिनों सोनम बाजवा के साथ अपनी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। अभिनेता यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी फिल्म भारत ही नहीं विदेशी दर्शकों तक भी पहुंचने में सफल रहे हैं। अभिनेता 29 जून को रिलीज हो रही कैरी ऑन जट्टा 3 को पैन इंडिया फिल्म के रूप में देखते हैं और चाहते हैं कि पंजाबी फिल्में दुनिया भर में अपनी पहुंच बनाए। कैरी ऑन जट्टा 3 कॉमेडी फिल्म है, जिसके पहले दोनों भागों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था और ऐसे में सभी ब्रेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर मुंबई में आमिर खान और कपिल शर्मा की मौजूदगी में लॉन्च हुआ था, जिससे यह पंजाब के बाहर ट्रेलर लॉन्च करने वाली पहली पंजाबी फिल्म बन गई थी। इस दौरान सितारों ने कहा था कि इस फिल्म को दुनिया भर में ले जाना चाहते हैं। गिप्पी ने बताया कि क्यों वह कैरी ऑन जट्टा 3 को एक पैन इंडिया फिल्म के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, कोई भी फिल्म जिसे हम एक बड़े मंच पर लाते हैं, उसमें पैन इंडिया स्तर का कुछ खास होना चाहिए, जो दर्शकों को भा जाए। उन्होंने कहा, कैरी ऑन जट्टा 1 ने अपनी अलग पहचान बनाई, इसलिए दूसरा भाग दुनिया के हर पंजाबी तक पहुंचा और गैर-पंजाबी दर्शकों ने इसे पसंद लिया। गिप्पी और निर्माता तीसरे भाग को पूरे भारत में रिलीज करना चाहते थे। गिप्पी ने कहा, हमने महसूस किया कि गैर-पंजाबी भाषी दर्शक या भारत के बाहर के दर्शक हमारी फिल्म को ऑनलाइन ही देखते थे। हमारा सिनेमा दिन-ब-दिन आगे बढ़ रहा है और हम चाहते हैं कि यह और भी बड़ा हो। ऐसे में हम एक बड़ी पंजाबी फिल्म चाहते थे और अगर लोगों ने किसी पंजाबी फिल्म के बारे में सुना हो तो वो हमारी फिल्म होनी चाहिए। गिप्पी ने कहा, फिल्म के दूसरे और तीसरे भाग के बीच 5 साल का अंतर है। इन 5 वर्षों में हमने इसे बड़ा बनाने और दृश्यों में सुधार करने के लिए सब कुछ किया है, लेकिन ध्यान में रखा है कि हम अपने स्वाद को न जाने दें।

ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होगी भूमि पेडनेकर और नवाजुद्दीन की अफवाह

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और भूमि पेडनेकर स्टारर फिल्म अफवाह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। सुधीर मिश्रा द्वारा निर्देशित, राजनीतिक थ्रिलर का उद्देश्य अफवाह फैलाने वालों को कम करना और नकली समाचारों के प्रसार से निपटना है। अफवाह सिनेमाई रूप से समृद्ध है और इसमें एक मनोरंजक कहानी भी शामिल है। फिल्म में राजनीतिक शक्ति, मीडिया का काला पक्ष, भ्रष्टाचार और लोभ जैसे तत्वों को दर्शाया गया है। इन विषयों को निर्देशक सुधीर मिश्रा ने उपदेशात्मक न होते हुए बहुत सूक्ष्म तरीके से आत्मसात किया है। फिल्म में अप्रत्याशित मोड़ और मोड़ निश्चित रूप से दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेंगे और यह जल्द ही नेटफ्लिक्स पर शुरू होने वाली है। फिल्म में, दर्शकों को शमीर टंडन द्वारा रचित और मामे खान और सुनेत्रा बनर्जी द्वारा गाए गए एक अत्यंत आत्मा-उत्तेजक गीत आज ये बसंत से भी अवगत कराया गया है। यह गाना ट्रेलर के सार को पकड़कर फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाता है। इसमें एक अफवाह का नतीजा बताया गया है जिसमें भूमि पेडनेकर और नवाजुद्दीन सिद्दीकी पूरे शहर के निशाने पर आ जाते हैं। अफरा-तफरी के बीच जीवन-मौत से जूझ रहे हैं। संगीत निर्देशक शमीर टंडन ने कहा, सुधीर ने मुझे इस गीत के लिए इसलिए चुना क्योंकि उन्हें बहुत अधिक गंभीरता और गहराई वाले गीतों की आवश्यकता थी और वे जानते थे कि मैं इसे अच्छी तरह से कर पाऊंगा। मैंने मामे खान से इसे कुछ स्वाद देने के लिए अपनी आवाज देने के लिए कहा। मैंने उनसे पूरी फिल्म में आलाप भी करवाए, इसलिए फिल्म की पृष्ठभूमि विशेष रूप से मंत्रमुग्ध करने वाली है। मैं इस अविश्वसनीय और प्रेरक फिल्म की पटकथा सुनने और शीर्षक ट्रैक- आज ये बसंत की रचना करने के लिए अत्यधिक उत्साहित था। इस प्रकार की फिल्में पारंपरिक प्रेम गीतों या पार्टी ट्रैक्स से प्रस्थान की मांग करती हैं। संगीत को बुद्धिमत्ता के साथ पेश किया जाना था, फिल्म की कहानी को पूरक और बढ़ाने के लिए सावधानी से तैयार किया गया था। राजस्थानी गायक होने के नाते, मामे खान आमतौर पर उच्च स्वर में गाती हैं। अफ़वाह के लिए, समीर ने खान को आज ये बसंत के लिए कम सप्तक में गाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके गाने की प्रस्तुति ने निर्देशक सुधीर मिश्रा से प्रशंसा अर्जित की, जिन्होंने कहा कि वह इसे पार्क से बाहर हिट करते हैं! टीजर में मामे खान के गायन को शामिल करने के लिए मिश्रा की ओर से यह एक शानदार कदम था। यह दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने के लिए संगीत की क्षमता को प्रदर्शित करता है। निर्देशक सुधीर मिश्रा ने कहा, लोक गायक मामे खान और नवोदित अभिनेत्री सुनेत्रा बनर्जी के गायन ने वास्तव में शमीर टंडन के निर्देशन में फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर में एक भावपूर्ण सार जोड़ा है। मैं इस विचारोत्तेजक फिल्म को वैश्विक दर्शकों के सामने लाने के लिए रोमांचित हूं। मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर के दर्शक मामे खान और सुनेत्रा बनर्जी के शांत गायन के साथ-साथ भावपूर्ण पृष्ठभूमि से जुड़ेंगे।

सत्तर सालों तक वास्तविक इतिहास को छुपाया गया: कपिल मिश्रा

स्वाधीनता संग्राम के हर नायक को स्मरण करना हमारा उद्देश्य: आशुतोष भटनागर, क्रांतितीर्थ अभियान का हुआ भव्य समापन समारोह

महेंद शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा पिछले 54 दिवस से चलाये जाने वाले क्रान्तितीर्थ अभियान का विधिवत समापन शिवपुरी के गांधी पार्क मैदान में हुआ,जिसमे मुख्य वक्ता दिल्ली के पूर्व मंत्री कपिल मिश्रा,पद्मश्री महेश शर्मा झाबुआ, जम्मू कश्मीर शोध पीठ दिल्ली के निदेशक आशुतोष भटनागर,राष्ट्रधर्म लखनऊ के व्यवस्थापक डॉ पवनपुत्र बादल,प्रवीण आर्य,पंजाबी अकादमी की निदेशक नीरू ज्ञानी,उर्दू अकादमी की निदेशक नुसरत मेहंदी,नीलम राठी,विभा रघुवंशी के साथ साथ स्वतंत्रता समर के नायकों के परिजन भी मंचासीन रहे।इस अवसर पर शिवपुरी की सामाजिक संस्थाओं और व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्वाधीनता समर पर आधारित ÷प्रदर्शनी का उद्घाटन व भारत माता के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलन व मध्यभारत प्रान्त के कोने-कोने से आई पवित्र माटी का पूजन अतिथियों के द्वारा करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया,तत्पश्चात् अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रांत अध्यक्ष डॉ कुमार संजीव ने 54 दिवसीय कार्य का वृत्त प्रस्तुत किया।इसके पश्चात् श्रीधर पराड़कर, संगठन मंत्री अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा अनुवादित पुस्तक तिरपाल की जिंदगी व विश्व हिंदी सम्मेलन फिजी पर आधारित साहित्य परिक्रमा÷ के विशेषांक का विमोचन अतिथियों के द्वारा किया गया। इसके बाद बालिकाओं द्वारा शस्त्र कौशल का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विद्वान वक्ता कपिल मिश्रा, पूर्व मंत्री दिल्ली, ने कहा कि÷ सत्तर वर्षों तक गलत इतिहास इस देश मे पड़ाया गया,ये बात बड़ी जिम्मेदारी से में कहता

हूं, इसी वजह से आज देश में जो तमाम समस्याए नजर आती है, उसके मूल में यही कारण है। बच्चों में देश प्रेम के अनुराग में कमी, इसी कारण कहीं न कहीं उत्साह कम है। दिल्ली से आये जम्मू कश्मीर शोध पीठ के निदेशक आशुतोष भटनागर ने कहा, कि देश मे जीते हुए युद्धों की बजाय पराजित वाले या उत्साह घटाने वाले विषयो की ज्यादा चर्चा की गई,गौरव गाथाओं को कम प्रचारित करने की वजह से एक सकारात्मकता का वातावरण अपेक्षाकृत कम बना है। पद्मश्री महेश शर्मा ने कहा, कि ÷क्रान्तितीर्थ जैसे आयोजन युवाओ में देश प्रेम की भावना को बड़ाने वाले तो है ही साथ ही अज्ञात क्रांतिवीरों से युवाओ का परिचय भी कराने वाले है। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री व राष्ट्रधर्म के व्यवस्थापक पवनपुत्र बादल ने कहा, कि÷ साहित्य के माध्यम से युवाओ को वास्तविक विषयो से जोड़ने के अपने मूलभूत कार्य के साथ सकारात्मक वातावरण निर्मित करने का कार्य साहित्य परिषद कर रहा है,क्रान्तितीर्थ उसी संकल्पना का एक हिस्सा है।पूरे देश मे क्रांतिवीरों को नमन करने का ये एक माध्यम है। इस अवसर पर कवि श्रीकृष्ण सरल के बेटे धर्मद्र सरल भोपाल, आज़ाद हिंद फौज के संस्थापक सदस्य गुरुबख्श सिंह ढिल्लन की बेटी अमृता मेहरोत्रा, बेटे सर्वजीत सिंह ढिल्लन, स्वतंत्रता सेनानी गोपालकृष्ण पौराणिक के भतीजे संदीप शर्मा,शिक्षाविद मधुसूधन चौबे के साथ गायत्री परिवार,तथागत संस्था,जे सी आई संस्था,स्वच्छता कर्मी, कचरा वाहन के चालको का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रान्त महामंत्री साहित्य परिषद, आशुतोष शर्मा ने ओर आभार प्रदीप अवस्थी ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूरे प्रान्त के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दोपहर में शगुन वाटिका में प्रान्त भर से आये साहित्य परिषद के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन भी आयोजित किया गया। इसी क्रम में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संयुक्त महामंत्री पवन पुत्र बादल एवं प्रांत अध्यक्ष डॉ. कुमार संजीव सहित अनेक पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में मध्य भारत प्रांत के प्रांत के महामंत्री आशुतोष शर्मा द्वारा रामचरण चिड़ार रुचिर संभागीय मीडिया प्रभारी, ग्वालियर संभाग को मध्य भारत प्रांत के सह मीडिया प्रभारी का नवीन दायित्व दिए जाने की घोषणा की गई। क्रांति तीर्थ के अभियान का समापन समारोह गांधी मैदान शिवपुरी में देर रात तक जारी रहा। कार्यक्रम को बहुत ही सराहनीय एवं अनुकरणीय बताते हुए सभी उपस्थित गणमान्य जनों ने सराहना की।

कांग्रेस में शामिल होने की चेतावनी, क्या इमरती की भड़ास, भाजपा में सन्नाटा

ग्वलियर। क्या सिंधिया समर्थक भाजपा नेत्री इमरती देवी का अब भाजपा से मोहभंग हो गया है, या डबरा में अब भाजपा विधायक प्रत्याशी के तौर पर उन्हें फिर खतरा लग रहा है। यह सब पूर्व मंत्री व कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त इमरती देवी की भडास व चेहरे से नजर आने लगा है। बीते दिवस उन्होंने जो कुछ बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा में बोला उसमें तो यही स्पष्ट है । इमरती देवी ने स्पष्ट कह दिया कि डबरा में बिजली की हालत बहुत खराब है, जनता में बहुत खराब स्थिति है यदि यह सब चलता रहा तो वह पुनः कांग्रेस में चली जायेंगी। उनके इस कथन से भाजपा में अब सन्नाटे की स्थिति है। भाजपा में चल रही गुटबाजी, गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा से उनकी पटरी नहीं बैठना, यह सब उनके चेहरे से हताशा दर्शाता है। इसका स्पष्ट मतलब है कि इमरती देवी कांग्रेस से चुनाव लडने पर अपने आपको सुरक्षित समझ रही है। वह अभी तक कांगेस से जीती है और दल बदलकर भाजपा में आने पर हारी ही है। यह बात भी स्पष्ट है कि कांग्रेस में वापसी पर कांग्रेस उन्हें टिकट दे भी या न दे । लेकिन वह चुनाव लडेंगी। वहीं वर्तमान विधायक सुरेश राजे इमरती के बयान से अवाक हैं। उन्हें भी डर है कि इमरती कांग्रेस में आ गई तो टिकट तो वह येन केन ले ही लेंगी। कुल मिलाकर डबरा अंचल में इमरती की टिप्पणी व गुस्से के कई कयास निकाले जा रहे हैं।

गांधीजी की मानहानि को लेकर : जम्मू काश्मीर के उप राज्यपाल के खिलाफ वरिष्ठ पत्रकार डॉ राकेश पाठक ने अदालत में इस्तगासा पेश किया

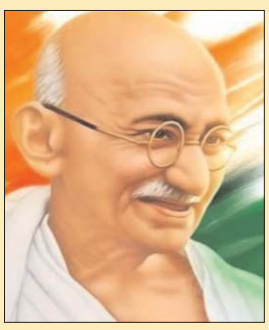

ग्वालियर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को बिना डिग्री वाला बताने पर जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के खिलाफ आज वरिष्ठ पत्रकार और गांधीवादी कार्यकर्ता डॉ राकेश पाठक ने न्यायालय में इस्तगासा पेश किया। डॉ पाठक ने ग्वालियर के न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी नितिन कुमार मुजाल्दे के सामने इस्तगासा (निजी परिवाद) प्रस्तुत कर उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के खिलाफ गांधी जी की मानहानि करने पर मुकदमा चलाने की अपील की। न्यायालय ने इस अपील को दर्ज कर के इसकी पोषणीयता (मेन्टेनेबिलटी)पर तर्क के लिये आगामी 21 जून की तारीख तय की है। उल्लेखनीय है कि मनोज सिन्हा ने विगत 23 मार्च को ग्वालियर के एक निजी विश्वविद्यालय में एक आयोजन में कहा था कि गांधी जी के पास कोई डिग्री नहीं थी। गांधी जी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाले उनके इस निराधार बयान पर डॉ पाठक ने 24 मार्च को उन्हें कानूनी नोटिस भेज कर माफी मांगने का अनुरोध किया था। नोटिस की प्रति राष्ट्रपति को भी भेजी गई थी। निर्धारित समय सीमा में मनोज सिन्हा की ओर से कोई उत्तर न मिलने पर डॉ राकेश पाठक ने आज अदालत का दरवाजा खटखटाया है। डॉ पाठक की ओर से अधिवक्तागण भूपेंद्र सिंह चौहान, पंकज सक्सेना, शुभेंदु सिंह चौहान इस्तगासा पेश किया।

जन परिषद जैसी संस्थाएं देश की जरूरत: अभिनेता यशपाल शर्मा

भोपाल। अग्रणी सामाजिक संस्था जनपरिषद के 34 वे वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता यशपाल शर्मा ने कहा कि न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया में किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए वर्तमान परिवेश सुखद नहीं माना जा सकता है और यह एक चिंता का विषय है द्य लेकिन रेत की तपन में राहत की बात यह है कि जनपरिषद जैसी संस्थाएं अपने स्तर पर रचनात्मक प्रयासों का सिलसिला चला रही हैं द्य श्री यशपाल शर्मा ने दावा किया कि देश भर में जन परिषद जैसी यदि सौ संस्थाएं भी सक्रिय हो जाएं तो हमारा सामाजिक परिवेश सकारात्मक रूप से परिवर्तित हो जाए। जन परिषद 34 वर्षों से रचनात्मक कार्य कर रही है और रचनात्मक व्यक्तियों को सम्मानित भी कर रही हैद्य यह एक अनुकरणीय प्रयास है द्य शर्मा ने कहा कि उनके सामाजिक समरसता की भावना और समर्पण को सम्मानित कर जन परिषद ने उन्हें सामाजिक रूप से मान्यता दी है द्य 34 वर्ष के सफर को सफलता पूर्वक तय करने के लिए उन्होंने जन परिषद को बधाई देते हुए कहा कि ईमानदारी से किए गए प्रयास किसी भी व्यक्ति या संस्था को अंतत- शिखर पर पहुंचा देते हैं द्य उनके अनुसार सफलता प्राप्त करने का कोई शॉर्टकट नहीं है द्य उप लोकायुक्त जस्टिस एस के पालो ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक समरसता की दिशा में जन परिषद का अभूतपूर्व योगदान है ।

नेताओं के बढ़ते धार्मिक आयोजन, अब मितेन्द्र करायेंगे भगवान श्रीकृष्ण की अनूठी कथा

ग्वालियर। चुनावी वर्ष में विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले नेता अब धार्मिक आयोजनों की ओर भी रूख कर रहे हैं, ताकि इन आयोजनों के माध्यम से अब ज्यादा से ज्यादा लोगों तक उनकी सीधी बात पहुंचे। अभी हाल ही भाजपा नेता राजेश सोलंकी की रामकथा के बाद अब कांग्रेस नेता मितेन्द्र दर्शन सिंह विख्यात कथावाचक जया किशोरी से कथा करायेंगे। यह कथा भगवान श्रीकृष्ण पर होगी जिसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अपनी बहन को भात देने का वर्णन है और मानवीय रिश्तों की अनूठी कहानी हैं। उक्त भगवान श्रीकृष्ण की कथा को नानी बाई को मायरो नाम दिया गया हैं। आज कांग्रेस नेता व कथा के आयोजक मितेन्द्र दर्शन सिंह ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान जानकारी दी। मितेन्द्र दर्शन सिंह ने बताया कि वह अपने पूज्य पिताजी स्व. डा. दर्शन सिंह की स्मृति में विश्व विख्यात प्रवचनकर्ता परम पूज्य सुश्री जया किशोरी जी के मुखारबिंद से नानी बाई को मायरो श्री कृष्ण कथा का आयोजन 3 जुलाई से 5 जुलाई तक हजीरा के इंटक मैदान में कराने जा रहे हैं। कथा का समय अपरान्ह 2 से सायं 6 बजे तक रहेगा। उन्होंने बताया कि नानी बाई को मायरो नरसीजी, नानी बाई और सांवरिया की कहानी है। यह परोपकारी भक्ति की एक भक्ति कथा है जिसने भगवान को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा रिश्तों, बंधनों और विश्वास के बारे में बात करती है। मायरा एक विवाह समारोह है जहां एक मामा अपनी बहन पर अपना प्यार बरसाता है। जिसमे सुश्री जया किशोरी जी नानीबाई नरसीजी की आस्था और भक्ति के मायरा समारोह को लेखक के दृष्टिकोण के साथ सुनाएंगी। जिससे बुजुर्ग, जवान और नई पीढ़ी के नौजवान जीवन में रिश्तों के महत्व को समझेंगे। इस कथा ने बहुतों को मोहित किया है और अब आपकी बारी है। यह कथा एक यात्रा है जो आपको जुनूनी बनायेगी। आप पर अधिकार करेगी और जीवन पर्यत इस कथा की सीख आपके साथ रहेगी। मितेन्द्र ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से लोगों में धार्मिक सम्मान व रिश्तों में विश्वास व प्रेम की महत्ता को बल मिलेगा। इस मौके पर कांग्रेस नेता कृष्णराव दीक्षित व लतीफ खान मल्लू भी उपस्थित थे।

हजीरा सब्जी मंडी और हजीरा बाजार में कांग्रेस प्रवक्ता, सौरव सिंह तोमर ने जन संपर्क किया

ग्वालियर। कांग्रेस प्रवक्ता, सौरव सिंह तोमर ने आज हजीरा, इंटक मैदान सब्जी मंडी और हजीरा बाजार में जनसंपर्क किया और विक्रेताओं और आम जनता से समर्थन और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। और लोगों से बार-बार बिजली कटने, मंहगाई, बेरोजगारी को लेकर चर्चा की। स्थानीय विक्रेता हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और उनका समर्थन करना हर सरकार का कर्तव्य है। माननीय कमलनाथ जी ने पहले ही वादा किया है कि नारी सम्मान योजना, कृषि ऋण माफी और बिजली सब्सिडी जैसी सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में महंगाई का भारी बोझ कम होगा। और कांग्रेस पार्टी की इन सभी योजनाओं को लोगों का भारी समर्थन मिल रहा है। यही कारण है कि आने वाले विधान सभा चुनाव में कमलनाथ जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी सरकार बनाने जा रही है। जय कांग्रेस, विजय कांग्रेस।

उपलब्ध हैं।
फाइनेंस / लोन / होम लोन
ग्वालियर मुरैना बामोर गोहद मालनपुर डबरा इत्यादि जगह में आप मकान खरीदने ओर प्लॉट खरीद कर मकान बनाने के लिए लोन के हैं जरुरत तो करें हमसे संपर्क।
संपर्क करें
07974596469

प्रो. अमित मो. 7772843302 9617243208
श्री हनुमते नमः
प्रो. दीपक मो. 9639422665 7024015532
जय दंदरौआ सरकार इन्डस्ट्राइजेज
डिस्पोजल
दोना पत्तल, डिस्पोजल प्लेट, ग्लास, पत्ते वाली पत्तल, दोने
निर्माता एवं थोक विक्रेता
शादी, पार्टी एवं अन्य शुभ कार्यो आदि में सभी सामान फैक्ट्री रेट पर उपलब्ध है

पुष्पांजली टुडे
आम सूचना / कोर्ट नोटिस
साइज फिक्स रूपये
8x4 cm 1120
10x4 cm 1400
12x4 cm 1680
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

पुष्पांजली टुडे
गुमशुदा / खोया -पाया
नाम परिवर्तन
साइज फिक्स रूपये
8x4 cm 1050
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478